doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 347 | गुवाहाटी | बुधवार, 17 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा ने पहली बार देश को पिछड़ा वर्ग का प्रधानमंत्री दिया : अमित शाह पेज 2
मंत्री सिंघल ने की कई महत्वपूर्ण बैठकें पेज 3
कांग्रेस भ्रम फैलाने में कामयाब रही : सीपी जोशी पेज 5
स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास पेज 7

शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

दुनिया का बस यही उसूल है कि, जब तक काम है तब तक ही नाम है, बाकी दूर से ही सलाम है।

-अज्ञात

किसी भी ईवीएम की जांच करा सकेत हैं हारे हुए प्रत्याशी : ईसी

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम में छेड़छाड़ की जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आवेदन करने वाले असंतुष्ट उम्मीदवारों को चुनाव आयोग ने कई विकल्प दिए हैं। उम्मीदवार विधानसभा क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र से ईवीएम को चुन सकते हैं। विकल्प में मॉक पोल और मॉक वीवीपैट पर्ची की गणना भी शामिल है। बता दें कि चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की बर्न्ट मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर की जांच/सत्यापन के लिए लोकसभा के आठ और विधानसभा के तीन उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। चुनाव आयोग द्वारा मंगलवार को जारी मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाले उम्मीदवारों को कई रैंडम टेस्ट चुनने का विकल्प दिया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि नियंत्रित वातावरण से आगे जाकर बर्न्ट मेमोरी की जांच और सत्यापन प्रक्रिया फर्मवेयर में किसी भी पूर्वाग्रह या छिपी हुई कार्यक्षमता की संभावना या आशंका को समाप्त करती है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेराफेरी के संदेह को सुप्रीम कोर्ट निराधार बता चुका है। सर्वोच्च अदाल ने 26 अप्रैल को पुरानी पेपर बैलेट प्रणाली को वापस लाने की मांग को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने उसी समय चुनाव परिणामों में दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले उम्मीदवारों को चुनाव पैनल को शुल्क का भुगतान करके लिखित अनुरोध पर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच प्रतिशत ईवीएम में लगे माइक्रो-कंट्रोलर चिप्स के सत्यापन की अनुमति दी थी। चुनाव आयोग ने कहा कि पात्र उम्मीदवार विधानसभा क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्रों या मशीनों की क्रम संख्या का विकल्प दे सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आवेदक की पसंद के अनुसार निर्वाचन क्षेत्र से ईवीएम को उठाया जाएगा और किसी विशेष मशीन को चुनने या छोड़ने में किसी तीसरे पक्ष या अधिकारियों की भागीदारी नहीं होगी। विधानसभा क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र से ईवीएम इकाइयों को मिलाने का विकल्प भी दिया गया है। अगर कोई आवेदक उम्मीदवार किसी विशेष मतदान केंद्र की कोई विशिष्ट इकाई- बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट या वीवीपीएटी को चुनता है तो वह उस मतदान केंद्र पर इस्तेमाल की गई उसी सेट की अन्य इकाइयों को चुनने को बाध्य नहीं है। एक बैलेट यूनिट, एक कंट्रोल यूनिट और एक वीवीपीएटी या पेपर ट्रेल मशीन से एक ईवीएम बनती है। आवेदन अलग-अलग मतदान केंद्रों से बैलेट, कंट्रोल, वीवीपीएटी मशीन का चयन कर एक सेट बना सकता है। सभी ईवीएम यूनिट्स का स्व-निदान किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार और टाटा समूह ने सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए भूमि पट्टे पर समझौता किया

मोरीगांव। असम सरकार ने मंगलवार को टाटा समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कंपनी को 27,000 करोड़ रुपए के सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए मोरीगांव जिले के जगीरोड में 170 एकड़ से अधिक भूमि पट्टे पर दी जाएगी। 60 साल के पट्टे समझौते को टाटा समूह के बोर्ड सदस्य रंजन बंदोपाध्याय और असम औद्योगिक विकास निगम (एआईडीसी) के प्रबंधक (तकनीकी) और परियोजना प्रभारी धीरज पेगु द्वारा उप-पंजीयक कार्यालय में अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर जिला आयुक्त (डीसी) देवाशीष शर्मा, टाटा समूह के अधिकारी कनिनिका ठाकुर, आशीष मिश्रा और अविनाश धाबडे उपस्थित थे। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि यह पूरे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। पूर्ववर्ती हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की साइट -शेष पृष्ठ दो पर

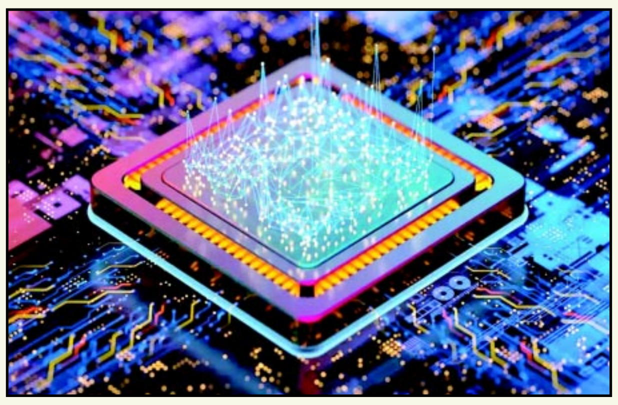

न्यूज गैलरी

डोडा मुठभेड़ में कैप्टन सहित पांच जवान शहीद

जम्मू (हि.स.)। जम्मू कश्मीर के डोडा के देसा वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में मंगलवार को बलिदान हुए सेना के कैप्टन और पांचों जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के लिए ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप रिपोर्ट जारी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन एनेक्सी में भारत के लिए *ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप* रिपोर्ट जारी की। आरएंडडी रोडमैप को वैश्विक ऑटोमोटिव क्षेत्र के विस्तार को समझकर और भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है। इसमें अनुसंधान -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : काजीरंगा में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधों में ढील

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार का हवाला देते हुए काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के पास राजमार्गों पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा की। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि बाढ़ की स्थिति में समग्र सुधार को देखते हुए, आज से, हल्के मोटर वाहनों और बसों को राष्ट्रीय राजमार्ग के काजीरंगा खंड से सामान्य रूप से चलने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि गति प्रतिबंध लागू हों। हालांकि, ट्रकों को केवल काफिले में ही चलने की अनुमति होगी। पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी पर कथित भ्रष्टाचार, जांच के लिए एपीडब्ल्यू ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

गुवाहाटी। असम के एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन, असम पब्लिक वर्क्स (एपीडब्ल्यू) ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को एक ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) अद्यतन प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग की है। 15 जुलाई को जारी ज्ञापन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें 1,600 करोड़ रुपए की एनआरसी परियोजना में 260 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताओं को उजागर किया गया है। एपीडब्ल्यू का दावा है कि डेटा एंट्री ऑपरेटरों के पारिश्रमिक के लिए निर्धारित फंड से 155.88 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। एपीडब्ल्यू के अध्यक्ष अभिजीत शर्मा ने कहा कि हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस मामले को व्यक्तिगत रूप से देखें तथा अपने पद का प्रयोग करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

असम उपचुनाव में कांग्रेस सभी पांच सीटों पर लड़ेगी चुनाव

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने मंगलवार को घोषणा की कि पार्टी आगामी उपचुनावों में सभी पांच विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के प्रति पार्टी के विरोध की भी पुष्टि की। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब राज्य सरकार ने अपनी सीमा पुलिस को निर्देश दिया है कि वे 2015 से पहले असम में प्रवेश करने वाले गैर-मुस्लिम अवैध प्रवासियों को नए कानून के तहत -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड को हमें मुस्लिमों का जमाई टोला नहीं बनाना है : मुख्यमंत्री हिमंत

खूंटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री और विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के झारखंड सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि देश में ऐसा कानून बनना चाहिए, जिससे घुसपैठिए आदिवासियों की बेटियों से शादी न कर सकें। बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासियों की बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प रहे हैं। हमें इसे मुस्लिमों का जमाई टोला नहीं बनाना है। वे मंगलवार को तोरपा में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मान सह विजय संकल्प सभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्य की हेमंत सरकार पर तीखा हमला करते हुए हिमंत विस्व शर्मा ने कहा कि अपने पांच साल के कार्यकाल में राज्य सरकार अपना एक भी वादा पूरा नहीं कर सकी। उन्होंन कहा कि हेमंत ने विधानसभा चुनाव के समय जो वादा किया, सब भूल गए। हेमंत सोरेन ने कहा था कि पांच लाख युवाओं को नौकरी देंगे लेकिन एक लाख को भी नौकरी नहीं मिली। उन्होंने कहा, मेरा चैलेंज है कि आप फिर सीएम बन गए हैं, अब दो महीने का समय है, आप अभी भी जो दे सकते हैं, झारखंड की जनता को दे दीजिये। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झारखंड का गणित उल्टा है। लोकसभा चुनाव में हमने 14 में नौ सीटों पर जीत हासिल की और कांग्रेस-झामुमो को पांच -शेष पृष्ठ दो पर

धर्म, समाज और राष्ट्र से बड़ा कोई भी जगद्गुरु नहीं : महंत गिरि

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्री के मालिक मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुए दो शंकराचार्यों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जूना अखाड़ा के महंत नारायण गिरी ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य कभी भी किसी उद्योगपति की शादी में नहीं जाते हैं। महंत नारायण गिरी ने शंकराचार्य के उस बयान का खंडन किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य कभी भी उद्योगपतियों की शादी में नहीं जाते। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि उद्धव ठाकरे ने हिंदू समुदाय के साथ विश्वासघात किया है। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर से नाता रखने वाले जज बनेंगे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश

आजादी के बाद पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को आज दो नए जज मिले हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड भी बना है। ऐसा पहली बार है, जब मणिपुर के किसी जज को शीर्ष न्यायालय में पदोन्नत किया गया है। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि संविधान की ओर से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और जस्टिस महादेवन को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया है। मणिपुर से ताल्लुक रखने वाले जस्टिस सिंह वर्तमान में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। गौरतलब है कि मंगलवार यानी आज सुप्रीम कोर्ट में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और -शेष पृष्ठ दो पर

कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना की जांच में सीआरएस ने पाईं कई खामियां

नई दिल्ली (हि.स.)। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में 17 जून को हुई ट्रेन दुर्घटना की अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वचालित सिग्नल क्षेत्रों में ट्रेन परिचालन के प्रबंधन में कई स्तरों पर चूक और लोको पायलटों तथा स्टेशन मास्टरों की अपर्याप्त काउंसलिंग के कारण मालगाड़ी और कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हुईं। सीआरएस रिपोर्ट में रेल -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में सुधर रहे हालात, 24 घंटे में कोई अप्रिय घटना नहीं

अगरतला। त्रिपुरा के धलाई जिले के गंडाट्विसा में 12 जुलाई को एक सामूहिक झड़प में आदिवासी युवक की मौत के बाद हिंसा भड़क गई थी। अब पुलिस का कहना है कि स्थिति में धीरे धीरे सुधार हो रहा है। बीते 24 घंटे से झगड़े या हिंसा से जुड़ी कोई खबर नहीं आई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शॉर्ट-सर्किट की वजह से स्थानीय बाजार की दो दुकानें नष्ट हो गईं, जिससे व्यापारियों में तनाव फैल गया था। धलाई जिले के पुलिस अधीक्षक अविनाश राय का कहना है कि 12 जुलाई को भीड़ ने करीब 300 घरों को आग के हवाले कर दिया था। इसके तुरंत बाद पुलिस ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। इन दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के आरोप में चार लोगों को -शेष पृष्ठ दो पर

सेंट्रल फंड के इस्तेमाल में बंगाल का प्रदर्शन सबसे खराब

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में ग्रामीण विकास के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत केंद्रीय धन के उपयोग के ताजा आंकड़े राज्य के लिए चिंताजनक हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, धन के उपयोग की समय सीमा समाप्त होने में केवल एक महीना शेष है और अब तक आवंटित धन का केवल 35 प्रतिशत ही उपयोग किया गया है। रिकॉर्ड्स के अनुसार, 15वें वित्त आयोग के तहत पिछली किश्त में लगभग तीन हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, जिनमें से अब तक केवल लगभग 1,028 करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

मानसून सत्र से पहले 21 जुलाई को सरकार ने बुलाई ऑलपार्टी मीटिंग

नई दिल्ली। सरकार ने अगले सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र से पहले 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्रालय ने एक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू संसद के बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। यह सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई, 2024 को सुबह 11 बजे संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की जाएगी। सत्र आरंभ होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे। तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा क्योंकि पार्टी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है। तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओ-ब्रायन ने रीजीजू को पत्र लिखकर सूचित किया है कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 -शेष पृष्ठ दो पर

डोनाल्ड ट्रंप आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित

न्यूयार्क (हि.स.)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी ने एक बार फिर से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया है। मिल्वाउकी में हुए रिपब्लिकन पार्टी के अधिवेशन में एक के बाद एक राज्य ने ट्रंप के नाम का समर्थन किया। अधिकांश डेलीगेट्स ट्रंप के नाम की तख्ती लेकर उनके नाम का समर्थन कर रहे थे और पूरा सभागार ट्रंप-ट्रंप से गूज रहा था। इसके साथ ही पार्टी में ट्रंप के प्रतिद्वंदी ओहियो के सीनेटर और राष्ट्रपति पद के लिए कोशिश कर रहे जेडी वैंन्स को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया है। डोनाल्ड ट्रंप 2016 में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत दर्ज की थी। वह 20 जनवरी 2017 से 20 जनवरी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भाजपा ने पहली बार देश को पिछड़ा वर्ग का प्रधानमंत्री दिया : अमित शाह

नारनौल (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा है कि हरियाणा कांग्रेस अगर सत्ता में आई तो पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीनकर मुस्लिमों को दे देगी। कांग्रेस कनार्टक में भी यही कर रही है और अब अगला निशाना हरियाणा है। शाह ने कहा कि भाजपा ने देश को पहली बार पिछड़ा वर्ग से प्रधानमंत्री दिया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह मंगलवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि कांग्रेस के मंसूबों को हरियाणा में किसी भी सूरत में कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बीसी समाज की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश को पहली बार पिछड़ा वर्ग से प्रधानमंत्री दिया है। शाह ने कहा कि हरियाणा के जवान, किसान और खिलाड़ियों की जितनी तारीफ की जाए कम है। हरियाणा के युवा सेना में जाते हैं। सबसे ज्यादा मेडल यहीं के धाकड़ युवा लाते हैं। देश का अन्न भंडार भरने वाला भी हरियाणा का किसान है। आज जिस भूमि पर मैं हूं इस भूमि की माताओं ने सबसे ज्यादा अनुपात में युवाओं को सेना में भेजने का काम किया है। दस में से सात मेडल यहां का युवा लेकर आता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में दोनों बार कमल खिलाकर आशीर्वाद दिया और वर्ष 2024 में भी दिया। अब विधानसभा चुनाव में भी आशीर्वाद मिलेगा, यह मुझे पूरा विश्वास है। पिछड़ा वर्ग ने हमेशा भाजपा का साथ दिया है। भाजपा का कर्तव्य बनता है कि हम उससे काम ज्यादा आपके लिए करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने तीन निर्णय लिए हैं। क्रीमी लेयर की सीमा 6 से बढ़कर 8 लाख किया है। 8 लाख में वेतन भी नहीं गिना जाएगा और कृषि से आय भी नहीं गिनी जाएगी। पंचायत में रिजर्वेशन बदलने का फैसला किया है। पंचायत में 8 प्रतिशत रिजर्वेशन आठ ग्रुप ए के लिए थी, अब ग्रुप डी के लिए 5 प्रतिशत शुरू हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि गांव में लाल डोरे के भीतर मालिकाना हक देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना। पढ़ी-लिखी पंचायत देने वाला हरियाणा बना। पंचायत में महिलाओं को आरक्षण देने वाला पहला राज हरियाणा बना। इसी प्रकार पानी के नल कनेक्शन देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना। उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में भ्रष्टाचार और गुंडाराज बढ़ जाता है। हरियाणा में हुड्डा आते हैं तो बीसी की बात करते हैं, लेकिन कांग्रेस हमेशा ओबीसी व पिछड़े की विरोधी रही है। शाह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को चैलेंज देते हुए कहा कि आजकल कांग्रेस वाले हिसाब मांग रहे हैं। मैं पाई-पाई का हिसाब लाया हूं। वे आंकड़ों के साथ मैदान में आएं।

विवादित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की ट्रेनिंग रोकी गई

मुंबई (हि.स.)। सिविल सेवा परीक्षा में चयन को लेकर विवादों फंसी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडेकर की मंगलवार को प्रोबेशनरी आईएएस ट्रेनिंग रोक दी गई। खेडकर पर सिविल सेवा परीक्षा पास करने के लिए कथित तौर पर विकलांगता प्रमाण पत्र में जालसाजी करने का आरोप है। पूजा खेडकर को 23 जुलाई तक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में वापस रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) ने पत्र में कहा कि पूजा दिलीप खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को रोकने का फैसला किया है और आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए तत्काल वापस बुलाने का आदेश जारी किया है। एलबीएसएनएए की ओर से 16 जुलाई को जारी आधिकारिक नोटिस के अनुसार वर्तमान में महाराष्ट्र के वाशिम में सुपर न्यूमेरेरी असिस्टेंट कलेक्टर पूजा खेडकर को महाराष्ट्र में उनके प्रशिक्षण कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है। एलबीएसएनएए का यह निर्णय खेडकर के सिविल सेवा में चयन को लेकर उठे विवाद के कुछ दिनों बाद आया है। उन पर सेवा में स्थान हासिल करने के लिए विकलांगता और अन्य पिछड़ा वर्ग कोटा का दुरुपयोग करने का आरोप है। पिछले हफ्ते केंद्र ने पूजा खेडकर की उम्मीदवारी को सत्यापित करने के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन किया था। महाराष्ट्र कैडर की 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर उस समय मीडिया की नजरों में आईं, जब उन्होंने कथित तौर पर पुणे कलेक्टर कार्यालय से विशेष विशेषाधिकारों का अनुरोध करके विवाद खड़ा कर दिया, जो उनके पदनाम के लिए अनुमत नहीं थे। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने उनका पुणे से वाशिम तबादला कर दिया था।

जीएमसीएच अस्पताल से व्यक्ति लापता

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच अस्पताल से एक व्यक्ति लापता हो गया। लापता व्यक्ति के परिजनों ने भांगागढ़ पुलिस थाने एक प्राथमिकी दायर की। परिजनों के अनुसार बाग्सा जिले के नलबाड़ी (जालुकदांगा) गांव निवासी खगेन दास उर्फ गुरु पिछले शनिवार इलाजरत अपनी पत्नी को देखने के लिए जीएमसीएच अस्पताल में आया था। तभी से वह लापता है। 42 वर्षीय खगेन दिमागी मरीज है। पांच फीट छह इंच के खगेन पिला स्पॉर्टिंग और काला जींस पहने हुए था। मालूम हो कि खगेन होम गार्ड का जवान थे। लापता वक्ति के बारे में किसी को भी कोई भी जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए परिजनों ने आग्रह किया है।

मोरान के खोवांग में बाढ़ से 200 से अधिक किसानों की फसल बर्बाद

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिला के मोरान के खोवांग इलाके में बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है लेकिन बाढ़ प्रभावित लोगों को अब जटिल स्थिति का सामनाकरना पड़ रहा है। खोवांग के डालनीकुर, बारबिल खलीमारी गांव के लगभग 200 किसान परिवार अब सदमे की स्थिति में हैं। क्योंकि, खेती के साथ आत्मनिर्भर गांव में करीब 600 बीघा जमीन पर सब्जियों की खेती बाढ़ में पूरी तरह तबाह हो गई है। गांव के किसानों द्वारा उगाई गई तिताकेरेला, भातकेरेला, कुंडुली, मिर्च, बैंगन, जीका, तिया, पोताल आदि की खेती करीब 15 दिनों तक आई बाढ़ से पूरी तरह नष्ट हो गई। इसके अलावा, धान की खेती, कटहल आदि भी बाढ़ के पानी में डूबकर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। बाढ़ के कारण कई दिन राहत शिविर में बिताने के बाद गांव के किसान वापस गांव में लौट रहे हैं। किसान खेतों की बर्बादी देखकर हताश और मायूस हो गए हैं। इसके अलावा, बाढ़ में किसानों के मवेशी और मुर्गियां भी मर गई हैं, जिससे व्यापक धन हानि हुई है। घर के अंदर रखा गया धान भी पूरी तरह से बाढ़ के पानी में नष्ट हो गया। प्रभावितों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा किसानों को कुछ राहत पहुंचाई जाएगी। गांव की मुख्य समस्या कटाव की है।

असम के राज्यपाल ने कई केंद्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने अपने नई दिल्ली के प्रवास के दौरान आज उपराष्ट्रपति के साथ ही अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ मुलाकात कर राज्य की जाता स्थिति से अवगत कराया। मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल कटारिया उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले।

पृष्ठ एक का शेष

किसी भी ईवीएम ...

बर्न मेमोरी की विश्वसनीयता समेत कई इलेक्ट्रिकल पैरामीटर्स की जांच की जाएगी। इसके बाद केवल स्व-निदान वाली यूनिट्स ही आगे की जांच और सत्यापन को जाएंगी। उम्मीदवार मॉक पोल के लिए किसी भी संख्या में वोट डालने के लिए कोई भी क्रम या पैटर्न चुन सकते हैं। हालांकि अधिकतम सीमा 1400 वोटों की होगी। वीवीपैट पर्चियों की गिनती आयोग द्वारा निर्धारित गिनती की प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

राज्य सरकार और...

पर निर्मित होने वाले इस संयंत्र से 30,000 से अधिक नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है, जिसका पहला चरण 2025 के मध्य तक चालू हो जाएगा। डीसी ने कहा कि भूमि हस्तांतरण का काम पूरा हो चुका है। टाटा समूह की टीम ने हमें बताया कि जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 मार्च को वर्चुअल माध्यम से इस संयंत्र की आधारशिला रखी थी। कंपनी तीन प्रमुख प्लेटफार्म प्रौद्योगिकियों - वायर बांड, फ्लिप चिप, और एकीकृत सिस्टम पैकेजिंग (आईएसपी) प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुविधा का निर्माण करेगी - जिसमें उन्नत पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों के लिए योजनाएं शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि इस संयंत्र का लक्ष्य एआई, औद्योगिक और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में बढ़ती वैश्विक मांगों को पूरा करना है।

बाढ़ : काजीरंगा में ...

महीने राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ के पानी के कारण भारी नुकसान होने के बाद प्रतिबंध कड़े कर दिए गए थे। एक समय तो पार्क का लगभग 80त्न हिस्सा जलमग्न हो गया था और इसके परिणामस्वरूप कई जानवरों को राष्ट्रीय राजमार्ग-715 और आस-पास के इलाकों में शरण लेनी पड़ी थी। काजीरंगा निदेशक सोनाली घोष के अनुसार, इस वर्ष बाढ़ का जल स्तर पिछले तीन दशकों में सबसे अधिक था, हालांकि पशुओं की मृत्यु दर पिछले वर्षों की तुलना में कम थी।

एनआरसी पर कथित ...

प्रवर्तन विभाग को मामले की जांच करने तथा भ्रष्टाचार में शामिल दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दें। संगठन ने पूर्व एनआरसी राज्य समन्वयक प्रतीक हजेला पर कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उंगली उठाई है। एपीडब्ल्यू ने एनआरसी सूची में *विदेशियों* को शामिल किए जाने पर भी चिंता जताई है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर संभावित प्रभाव पड़ने का अनुमान है। ज्ञापन में कहा गया है कि चूंकि एनआरसी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए विदेशियों के नाम शामिल करने के कारणों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा सकती है। एपीडब्ल्यू ने एनआरसी प्रक्रिया में विदेशी फंडिंग के प्रभाव पर संदेह जताते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने का अनुरोध किया। मानवाधिकार समूह ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अपने पिछले प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसमें राज्य पुलिस में एफआईआर दर्ज करना और पुलिस महानिदेशक से अपील करना शामिल था, लेकिन कथित तौर पर इससे कोई परिणाम नहीं निकला। एनआरसी से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के मामले (रिट याचिका डब्ल्यूपी(सी) 274/2009) में मुख्य याचिकाकर्ता के रूप में, एपीडब्ल्यू द्वारा बहु-एजेंसी जांच की मांग असम में चल रहे एनआरसी विवाद में एक नया आयाम जोड़ती है।

असम उपचुनाव में ...

नागरिकता के लिए आवेदन करने की सलाह दें। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला स्तर के पार्टी नेताओं के साथ चर्चा की गई। बोरा ने बताया कि सिंह पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और भविष्य के चुनावों के लिए रणनीति बनाने के लिए सांसदों, विधायकों और अन्य नेताओं के साथ आगे भी बैठकें करने की योजना बना रहे हैं। बोरा ने एक्स पर साझा किया कि @INCAssam उन सभी 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जहां उपचुनाव होंगे। हम वरिष्ठ नेताओं की 5 टीमें गठित करेंगे जो जमीनी स्तर तक पहुंचेंगी। चुनाव आयोग ने अभी तक उपचुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की है। शामागुड़ी, बिहाली, धोलाई, सिदली और बंगाईगांव की विधानसभा सीटें उनके मौजूदा सदस्यों के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हो गई थीं। केवल शामागुड़ी सीट पर पहले कांग्रेस का कब्जा था; अन्य सीटें भाजपा और उसके सहयोगी अगप और बीपीएफ के पास थीं। पिछले चुनावों में कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के हिस्से के रूप में चुनाव लड़ा था, लेकिन संसदीय चुनावों के दौरान कुछ सीटों पर उसे आंतरिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था। बोरा ने सीएए के खिलाफ कांग्रेस के रुख को दोहराया: हमने सीएए के प्रति अपना विरोध दोहराया, और खुद को श्री ञ्राहुल गांधी जी द्वारा सत्ता में आने के बाद सीएए को हटाने की प्रतिबद्धता की याद दिलाई। यह पुष्टि तब हुई जब राज्य सरकार ने गैर-मुस्लिम अवैध प्रवासियों के संबंध में एक निर्देश जारी किया। निर्देश में असम की सीमा पुलिस शाखा को निर्देश दिया गया है कि 31 दिसंबर 2014 से पहले प्रवेश करने वाले गैर-मुस्लिम अवैध प्रवासियों के मामलों को सीधे विदेशी न्यायाधिकरण के पास न भेजा जाए। इसके बजाय, इन व्यक्तियों को सीएए के माध्यम से नागरिकता के लिए आवेदन करने की सलाह दी जानी चाहिए।

झारखंड को हमें ...

सीटें मिली, फिर भी वे जीत ये और भाजपा हार गई। लगता है झारखंड में नौ से बड़ा पांच होता है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने चमत्कार दिखा दिया है। नौ सीटें दिलाकर मोदी को पीएम बनाया। देश में माहौल ऐसा है कि 240 सीटें भाजपा को मिली और कांग्रेस को मात्र 99 सीटों पर जीत मिली लेकिन कांग्रेस ऐसी खुशी मना रही है जैसे 100 सीटों में कांग्रेस ने 99 सीटें जीत ली हो। शर्मा ने कहा कि अरे राहुल बाबा 542 में आपको 99 सीटें मिली हैं, सौ में नहीं। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा का ज्ञान शुरुआत से कम था, आगे भी कम रहेगा। राहुल बाबा कहते है 240 लेकर हार गए और 99 लेकर जीत गए। शर्मा ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी ही लगाार तीसरी बार पीएम बने हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का जोश बरकरार रहना चाहिए। कांग्रेस और झामुमो को झारखंड से विदा करना है और भाजपा के नेतृत्व में नया झारखंड बनाना है। हेमंत सोरेन पर कटाक्ष करते हुए हिमंत ने कहा, हेमंत जेल गए। कोई स्वतंत्रता आंदोलन करके जेल नहीं गए। वो भ्रष्टाचार करके जेल गए। चम्पाई सोरेन की तारीफ करते हुए शर्मा ने कहा कि चम्पाई सोरेन सरकार ने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया था। सोरेन का लगा कि चम्पाई सीएम रहेंगे, तो दलाली नहीं चलेगी। इसलिए चम्पाई को कुर्सी से हटा कर खुद सीएम बन गए। शर्मा ने कहा कि हेमंत सरकार ने लोगों के साथ धोखा किया। लगता है कि यह सरकार सिर्फ बालू की तस्करी के लिए बनी है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति काफी खराब है। यह बात हाई कोर्ट भी कहा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी आदिवासी के घर नहीं, आलमगीर आलम के घर से 35 करोड़ रुपए बरामद होते हैं। आदिवासी तो हर दिन जीने का संग्राम कर रहा है। आलमगीर आलम घुसपैठियों का सरदार है। साथ ही कहा कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य के यहां से 300 करोड़ रुपए बरामद होते हैं, यह पैसा आम जनता का है। हिमंत ने कहा कि राहुल बाबा ने बोला था कि खटाखट पैसा आयेगा। ये खटाखट की मशीन कहां गायब हो गई। कृपाकर खटाखट की मशीन जल्दी लगा दीजिए। शर्मा ने कहा कि राहुल भी झूठ बोलते हैं। हेमंत सोरेन भी झूठ बोलते हैं। इसलिए दोनों में दोस्ती है।

मणिपुर से नाता ...

मद्रास हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आर महादेवन की नियुक्ति की मंजूरी दे दी गई है। इनकी नियुक्ति के बाद शीर्ष कोर्ट में जजों का एक भी पद खाली नहीं रह गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 11 जुलाई को रिक्त पदों के लिए दो नामों की सिफारिश की थी। शीर्ष कोर्ट में जस्टिस अनिरुद्ध बोस के 10 अप्रैल, 2024 को और जस्टिस एएस बोपन्ना के 19 मई, 2024 को सेवानिवृत्त के कारण ये पद रिक्त हुए थे। कॉलेजियम में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत तथा जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल थे। कॉलेजियम ने अपने बयान में कहा था कि सिंह की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति से पूर्वोत्तर को प्रतिनिधित्व मिलेगा। इसमें कहा गया था, विशेष रूप से, वह मणिपुर राज्य से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले पहले न्यायाधीश होंगे। न्यायिक क्षमता और प्रशासनिक पक्ष में उनके की ओर से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में किए गए कार्य के संदर्भ में एक बेदाग रिकॉर्ड है।

कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना ...

प्रशासन की खामियों को उजागर करते हुए कहा गया है कि अनुचित प्राधिकार और वह भी पर्याप्त सूचना के बिना, ऐसी घटना एक *प्रतीक्षारत दुर्घटना* थी। रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने अपनी रिपोर्ट में भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए स्वचालित ट्रेन-सुरक्षा प्रणाली (कवच) को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की भी सिफारिश की है। इस दुर्घटना में मालगाड़ी के लोको पायलट सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी। सीआरएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बिजली चमकने के कारण रंगापानी और चत्तरहाट के बीच के रिले हट के कुछ सर्किट और फ्यूज शॉर्ट कर गए थे, जिसके चलते सिग्नल लाल हो गए थे। ऐसी स्थितियों में स्टेशन स्टाफ के द्वारा लोको पायलट एवं गार्ड को कुछ पेपर अथॉरिटी देश भर में दिए जाते हैं और इस केस में भी दिए गए थे। ऐसे केस में ऑटोमेटिक टेरिटरी में लोको पायलट का प्रोटोकॉल है कि लाल पर रुको, दिन में 1 मिनट और रात में 2 मिनट और 15 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड पर चलो। यह प्रोटोकॉल देश भर में सब जगह समान है, और इस केस में भी यही प्रोटोकॉल फॉलो हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्भाग्य से, मालगाड़ी के लोको पायलट ने अथॉरिटी को ठीक से इंटरप्रेट नहीं किया। जबकि कंचनजंगा ट्रेन के लोको पायलट ने सही इंटरप्रेट किया था और लाल पर रुक कर चला था। इस स्थिति के बाद रेलवे ने फैसला लिया है कि अथॉरिटी फॉर्म को चेंज किया जाए, जिससे गलत इंटरप्रिटेशन की संभावना ना रहे। एलपी/एएलपी के प्रशिक्षण को और अधिक सशक्त किया है। अलग-अलग जोन के अथॉरिटी फॉर्म को मानकीकृत किया, जिससे देश भर में लोको पायलट एक ही फॉर्म देखें। सिग्नलिंग उपकरण की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए आरडीएसओ की अध्यक्षता में जोन के साथ एक्शन प्लान बनाया जा रहा है। जांच के बाद, सीआरएस ने पाया कि दुर्घटना में शामिल मालगाड़ी के लोको पायलट को दोषपूर्ण सिग्नल पार करने के लिए गलत पेपर अथॉरिटी या टी/ए 912 जारी किया गया था। पेपर अथॉरिटी ने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि दोषपूर्ण सिग्नल पार करते समय मालगाड़ी को किस गति का पालन करना चाहिए। कंचनजंगा एक्सप्रेस और मालगाड़ी के अलावा, सिग्नल खराब होने के बाद दुर्घटना होने तक पांच अन्य ट्रेनें सेक्शन में प्रवेश कर चुकी थीं। सीआरएस ने उल्लेख किया कि एक ही प्राधिकरण जारी करने के बावजूद, लोको पायलटों द्वारा अलग-अलग गति पैटर्न का पालन किया गया, जिसमें केवल कंचनजंगा एक्सप्रेस ने 15 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने और प्रत्येक खराब सिग्नल पर एक मिनट रुकने के मानदंड का पालन किया।

त्रिपुरा में सुधर रहे ...

हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, गंडाट्विसा में हालात अब सामान्य हो रहे हैं। बीते 24 घंटों में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। हालांकि, शॉर्ट सर्किट की वजह से स्थानीय बाजार में दो दुकानों में आग लग गई। पुलिस अधीक्षक ने दावा किया है कि इलाके में जल्द से जल्द शांति स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मियों के द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। अविनाश राय ने आगे बताया कि इलाके में निषेधाज्ञा अभी भी लागू है और गैरकानूनी तरीके से बाजार में भीड़ जुटाने के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। गौरतलब है, एक आदिवासी युवक की सामूहिक झड़प में मौत के बाद कई दुकानों को आग लगा दी गई थी। कई घरों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। आनन-फानन में अधिकारियों ने इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी। आगजनी और इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद होने के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। वहीं, युवक की मौत के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है परमेश्वर रियांग अपने दोस्तों के साथ रथ यात्रा के मौके पर आयोजित एक मेले में शामिल होने के लिए गंडाट्विसा बाजार गया था। अचानक कुछ युवकों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी, जिसमें रियांग गंभीर रूप से घायल हो गया था। शुरुआत में उसे गंडाट्विसा अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में हालत बिगड़ने पर उन्हें जीबीपी अस्पाल में स्थानांतरित कर दिया गया। धलाई के एसपी अविनाश राय ने बताया कि युवक ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया।

धर्म, समाज और ...

उन्होंने कहा कि जीत या हार का फैसला करने वाले हम कौन होते हैं? हमारा काम पूजा-पाठ करना है। किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि वह राष्ट्र, धर्म और समाज से ऊपर है। दरअसल, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुए थे। इसके बाद वह शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे के घर पहुंचे। वहां उन्होंने पूजा और अनुष्ठान किया। ठाकरे से मुंबई के बांद्रा स्थित उनके आवास *मातोश्री* में मुलाकात के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है और कई लोग इससे आक्रोशित हैं। मैं उनके आग्रह पर उनसे मिला और कहा कि जनता को हुई पीड़ा उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने तक कम नहीं होगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने (ठाकरे ने) कहा कि वह हमारे आशीर्वाद के साथ जो भी जरूरत होगी, करेंगे। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि विश्वासघात सबसे बड़ा पाप है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने कहा कि जो विश्वासघात करता है वह हिंदू नहीं हो सकता है। जो विश्वासघात सहता है, वह हिंदू है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की पूरी जनता विश्वासघात से आक्रोशित है और यह हाल के (लोकसभा) चुनाव में प्रतिबिंबित भी हुआ। उन्होंने कहा कि हमारा राजनीति से कोई लेना देना नहीं है लेकिन हम विश्वासघात के बारे में बात कर रहे हैं जो धर्म के अनुसार पाप है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 10 जुलाई को दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की आधारशिला रखने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि जब केदारनाथ का पता हिमालय है तो कैसे यह दिल्ली में हो सकता है? आप लोगों को क्यों भ्रमित कर रहे हैं। शंकराचार्य ने मातोश्री में आयोजित एक पूजा समारोह में भी हिस्सा लिया। इससे पहले उन्होंने कहा कि हां, प्रधानमंत्री मोदी मेरे पास आए और प्रणाम किया। हमारा नियम है कि जो भी हमारे पास आएगा, हम उसे आशीर्वाद देंगे। नरेंद्र मोदी जी हमारे शत्रु नहीं हैं। हम उनके शुभचिंतक हैं और हमेशा उनके भले की बात करते हैं। अगर वह कोई गलती करते हैं, तो हम उन्हें वह भी बताते हैं। वह हमारे शत्रु नहीं हैं।

सेंट्रल फंड के इस्तेमाल...

रुपए ही खर्च किए गए हैं। यह धीमी गति धन के उपयोग में अनिश्चितता पैदा कर रही है क्योंकि नियमों के अनुसार, अगली किश्त को तब तक जारी नहीं किया जाता जब तक पिछली किश्त के तहत आवंटित धन का कम से कम 75 प्रतिशत उपयोग नहीं हो जाता। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने राज्य में पंचायत प्रणाली के तीन स्तरों को 31 जुलाई तक टेंडर जारी करके धन के उपयोग की प्रक्रिया में तेजी लाने की समय सीमा दी है। इसका मतलब है कि 15 अगस्त तक लगभग 1,700 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे, जो विभागीय अधिकारियों के अनुसार एक बहुत बड़ी चुनौती है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सही परियोजनाओं के चयन पर जोर दिया जा रहा है, जिनका कार्यान्वयन जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। एक अधिकारी ने स्वीकार किया कि पिछले मामलों में कुछ गलतियों के कारण परियोजनाओं के चयन में कमी आई थी। धन के धीमे उपयोग के कारणों के बारे में बताते हुए, विभागीय अधिकारियों ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के कारण आवश्यक कार्य लगभग तीन महीने तक पूरी तरह से रुके रहे, जिससे स्थिति और भी खराब हो गई।

मानसून सत्र से ...

वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में *शहीद दिवस* के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे। उन्होंने कहा कि इस परिप्रेक्ष्य में, मेरे सहित अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के सभी सांसद पार्टी के अन्य सहयोगियों के साथ इस दिवस को मनाने के लिए अपने गृह राज्य में होंगे। इसलिए कोई भी सांसद बैठक में शामिल नहीं हो सकेगा। तृणमूल कांग्रेस 21 जुलाई को उन 13 कांग्रेस समर्थकों की याद में शहीद दिवस मनाती है, जो 1993 में राज्य सचिवालय राइटर्स बिल्डिंग तक मार्च निकाले जाने के दौरान कोलकाता पुलिस द्वारा की गयी गोलीबारी में मारे गए थे। ममता बनर्जी उस समय कांग्रेस की युवा शाखा की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष थीं। उन्होंने 1 जनवरी, 1998 को तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद भी हर साल शहीद दिवस मनाना जारी रखा। इस दिन वह एक रैली को भी संबोधित करती हैं। संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होने वाला है और यह 12 अगस्त तक प्रस्तावित है। बजट 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद पहले संसद सत्र में विपक्षी गठबंधन इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस ने हाल ही में नीट विवाद, मणिपुर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाया था और नारेबाजी व शोरगुल के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के दौरान दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। लोकसभा में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान विपक्षी सांसदों ने मणिपुर पर बयान देने की मांग करते हुए नारेबाजी की जबकि राज्यसभा में विपक्ष ने बहिर्गमन किया था।

डोनाल्ड ट्रंप आधिकारिक ...

2021 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे थे। अगले चुनाव में वे डेमोक्रेट पार्टी के जो बाइडेन के मुकाबले हार गए थे। हांलाकि तब भी उन्होंने हार स्वीकार नहीं की थी और व्हाइट हाउस खाली करने से पहले वहां जुटे ट्रंप समर्थकों ने हिंसक उपद्रव भी कर दिया था। राष्ट्रपति पद से हटने के बाद पिछले 4 सालों में उनके ऊपर अनेक प्रकार के मुकदमे भी दर्ज हुए, जिसमें सीक्रेट पेपर्स की चोरी से लेकर अवैध संबंधों के चलते एक महिला को पैसे देने का मामला भी चला और सजा भी हुई।

डोडा मुठभेड़ में ...

ने सोमवार देर शाम डोडा शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में घायल पांचों बहादुरों ने मंगलवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सेना की 16 वीं व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा के उत्तर में सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी था। सोमवार रात करीब 9 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद भारी गोलीबारी शुरू हुई। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार देर रात तक गोलीबारी के बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन कैप्टन के नेतृत्व में जवानों ने चुनौतीपूर्ण इलाके और घने जंगल के बावजूद उनका पीछा किया। इसके बाद सोमवार रात करीब 9 बजे फिर से गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर मंगलवार को उपचार के दौरान पांचों ने दम तोड़ दिया। मंगलवार सुबह अधिक सैनिकों के साथ इलाके की तलाशी शुरू की गई है। मंगलवार को आतंकवादियों से कोई नया संपर्क नहीं हुआ है। माना जाता है कि वे सीमा पार से घुसपैठ कर आए हैं और पिछले कुछ महीनों से जंगल क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इससे पहले 9 जुलाई को किश्तवाड़ा जिले की सीमा से लगे घडी भगवा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद आतंकवादी भागने में सफल रहे।

भारत के लिए...

को चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों ऊर्जा भंडारण सेल, ईवी एग्रीगेट्स, सामग्री व रिसाइकिल, चार्जिंग व ईंधन भरना में वर्गीकृत किया गया है। साथ ही अगले पांच वर्षों में आत्मनिर्भर बनकर वैश्विक नेतृत्व करने के लिए मार्ग प्रदान करता है। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. सूद ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन में 45 प्रतिशत की कमी और 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है ताकि 2070 तक नेट जीरो हासिल किया जा सके। इस दृष्टिकोण के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाना, स्वदेशी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का निर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करना आवश्यक होगा। प्रो. सूद ने कहा कि वर्तमान में ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन आयात पर बहुत अधिक निर्भर करती है। उन्होंने ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन के भीतर आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने और ऑटोमोटिव क्षेत्र में घरेलू अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री सिंघल ने की कई महत्वपूर्ण बैठकें

नगर पालिका प्रशासन में सुधार, पार्कों और मार्केट हाउसों के निर्माण, स्वच्छ भारत अभियान आदि विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने आज आवास और शहरी मामलों के विभाग की विभिन्न शाखाओं जैसे गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण, गुवाहाटी यूटिलिटीज कंपनी लिमिटेड (जीयूसीएल), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), तकनीकी शाखा का उद्घाटन किया। आवास एवं शहरी कार्य विभाग और शहरी एवं ग्रामीण नियोजन निदेशालय के शीर्ष अधिकारियों ने उनके द्वारा कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। आज की बैठक में चर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय नगरपालिका प्रशासन में सुधारों पर एक सदस्यीय समिति की रिपोर्ट और नगरपालिका संशोधन अधिनियम, 2024 के मसौदा नियमों की तैयारी पर समीक्षा थी। बैठक के दौरान जालुकबाड़ी से खानापाड़ा तक राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर स्ट्रीट लाइट लगाने और शहरी अधोसंरचना विकास निधि के तहत स्वीकृत पार्कों पर जीयूसीएल और आवास एवं शहरी कार्य विभाग की तकनीकी शाखा के साथ चर्चा की गई। दूसरी ओर शहरी और ग्राम नियोजन निदेशालय के साथ बैठक में शहर में अनाधिकृत निर्माण कार्यों के एक बार नियमितीकरण की नवीनतम स्थिति की समीक्षा की गई। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत कार्यान्वित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और जल प्रबंधन कार्यों की स्थिति के साथ-साथ गुवाहाटी नगर निगम के तहत लागू स्वच्छ भारत मिशन की कार्य स्थितियों पर विस्तार से चर्चा की गई। आज की बैठक में कामाख्या को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनाने पर भी प्रकाश डाला गया। गुवाहाटी नगर निगम के महापौर और शीर्ष अधिकारियों के साथ आज एक बैठक में निगम के तहत निर्माणाधीन बाजार घरों, सफाई कर्मचारियों के आवास, स्वच्छ सर्वेक्षण और कचरा संग्रह प्रबंधन, बड़ागांव में अपशिष्ट उपचार संयंत्र की भूमि अधिग्रहण स्थिति के साथ-साथ नगर निगम के तहत लागू अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। मंत्री सिंघल ने निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम के अंतर्गत निर्माणाधीन हेंगराबाड़ी, गणेशगुड़ी, उलुबाड़ी और बेलतला में बहुमंजिला मार्केट हाउस के निर्माण को चालू वर्ष में पूरा करने के लिए कदम उठाएं और इसे छोटे व्यापारियों को आवंटित करें। दूसरी ओर उन्होंने विभाग को आवास और शहरी मामलों के विभाग के सचिव, गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त और कामरूप (मेट्रो) जिले के उपायुक्त की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया, जो शहर से रोजाना बड़ी मात्रा में एकत्र किए गए कचरे को डंप करने के लिए उपयुक्त भूमि के बारे में सिफारिशें करेगी। गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के साथ आज हुई बैठक में मुख्य रूप से शिल्सांको बील के खनन और छोटे पार्कों के निर्माण पर चर्चा की गई। बैठक में प्राधिकरण के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरणिया, आवास और शहरी मामलों के आयुक्त-सचिव कबिता पद्मनाभन, सचिव पवित्रराम खाउंड, गुवाहाटी नगर आयुक्त मेघनिधि दहल और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंबामुथन एमपी के साथ ही जीयूसीएल, स्वच्छ भारत मिशन, आवास और शहरी मामलों के विभाग की तकनीकी शाखा और शहरी और ग्रामीण नियोजन निदेशालय के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

मणिपुर में पत्रकार के घर पर की गई गोलीबारी की एडिटर्स गिल्ड ने की निंदा

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में अज्ञात बदमाशों ने पत्रकार के घर पर हमला कर दिया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एडिटर्स गिल्ड और मणिपुर प्रेस क्लब ने घटना की कड़ी निंदा की। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार की तड़के अज्ञात हमलावरों ने इंफाल पूर्वी जिले के हिंगगांग पुलिस स्टेशन के तहत कोंथा खाबम लाई हर ओबाम के लोयलकपा इलाके में स्थित स्थानीय समाचार पत्र *नाहरोलगी थौदांग* के संपादक और प्रकाशक खैरोम लयलाकपा के आवास पर हमला किया। हथियारबंद बदमाशों ने खोइरोम लोयलकपा के आवास पर करीब छह गोलियां चलाईं, जिससे घर की दीवार और मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त हो गया। लेकिन सौभाग्य से हमले के समय अखबार के संपादक लोयालाकपा घर पर नहीं थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद हेइनगांग पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम बम विशेषज्ञों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अभी तक किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इसलिए घटना का असली उद्देश्य अभी भी स्पष्ट नहीं है। इस बीच, घटना के मद्देनजर *ऑल मणिपुर वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन* (एएमडब्ल्यूजेयू) और *एडिटर्स गिल्ड मणिपुर* (ईजीएम) ने आज दोपहर मणिपुर प्रेस क्लब में एक आपात बैठक बुलाई और हमले की कड़ी निंदा की। बैठक में राज्य प्रशासन से संपादक के घर पर हमले में शामिल लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की मांग की गई।

अरुणाचल प्रदेश पुलिस और एसबीआई के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नातुंग की उपस्थिति में पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू), ईटानगर में पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अरुणाचल प्रदेश पुलिस के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। गृह मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद गृह मंत्री मामा नातुंग का पुलिस मुख्यालय का आज यह पहला दौरा था। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री मामा नातुंग ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन पुलिस कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं जैसे बेहतर वित्तीय सेवाओं और पुलिस कर्मियों को लाभ, बेहतर वेतन प्रबंधन, ऋण सुविधाओं और अन्य बैंकिंग सेवाओं आदि में मदद करेगा। इसके अलवा आज हमने विभिन्न मुद्दों, राज्य पुलिस के उन्नयन और चुनौतियों पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ पहली समन्वय बैठक भी की। हम राज्य पुलिस विभाग की बेहतरी के लिए रोड मैप तैयार करेंगे। उन्होंने सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस कर्मियों और आम जनता के बीच मजबूत संबंध विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रवर्तन, रोकथाम और निर्माण में अहम भूमिका निभाने के निर्देश दिये नशीली दवाओं के मुद्दे के बारे में जागरूकता। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। इससे पहले मंत्री का पीएचक्यू में अरुणाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक आनंद मोहन और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया।

केंद्र ने असम के सुलभ मूल्य व्यापारियों के कमीशन का किया भुगतान

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्र सरकार ने चावल वितरण के लिए असम में सुलभ मूल्य के व्यापारियों को दिए जाने वाले कमीशन के रूप में लगभग 180 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी कर दिया है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री रंजीत कुमार दास ने आज कहा कि विभाग को जल्द ही कमीशन के लिए मिलने वाला पैसा मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग ने इसके लिए जररी कदम उठाए हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण केंद्र सरकार पैसा जारी नहीं कर सकी थी। मंत्री दास ने राज्य में सुलभ मूल्य व्यापारियों से अपने आंदोलन कार्यक्रमों को वापस लेने का आग्रह किया।

मंत्री डॉ. रोनोज पेगु ने पलटन बाजार में नवनिर्मित आदिवासी विश्राम गृह का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। जनजातीय मामलों के मंत्री (उपभूमि) डॉ. रोनोज पेगु ने आज गुवाहाटी के पलटन बाजार के सोलापारा में नवनिर्मित जनजातीय विश्राम गृह का उद्घाटन किया। भवन का नवीनीकरण जनजातीय कार्य (वैयम) विभाग द्वारा 1 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। भवन का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. पेंगू ने कहा कि पलटन बाजार स्थित आदिवासी विश्राम गृह असम के आदिवासी समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक इमारत है। यह भवन पिछले 17 वर्षों से अप्रयुक्त है अब इमारत का नवीनीकरण किया गया है विश्राम गृह आम आदिवासी लोगों के लिए बनाया गया है मंत्रियों, विधायकों, अफसरों या व्यापारियों के लिए नहीं विशेष रूप से इलाज के लिए गुवाहाटी आने वाले छात्र और मरीज और मरीजों के माता-पिता यहां थोड़े से किराए पर रह सकते हैं यहां रहने के लिए आने वाले लोग नई खुली कैंटीन में किफायती दामों पर खाना भी खा सकते हैं मंत्री ने कहा कि विभिन्न जिलों में जनजातीय विश्राम गृहों के समुचित प्रबंधन के लिए जनजातीय विश्राम गृह प्रबंधन समिति का गठन किया गया है समिति में स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य और विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं इस कार्यक्रम में राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टोंकेश्वर राभा, जनजातीय संघ के महासचिव आदित्य खकलारी, जनजातीय मामलों के निदेशक (भैयाम) उदयादित्य गोगोई और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

शोणितपुर (हिंस)। जिला मुख्यालय शहर तेजपुर बारघाट पुलिस चौकी अंतर्गत बाटामारी दौलाबाड़ी चाराली इलाके में फ्लाईओवर के पास आज सुबह करीब 6.45 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक डंपर एक बाइक को टक्कर मारने के बाद लगभग 100 मीटर तक बाइक को घसीटते चला गया, जिसके चलते बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

फकीराग्राम में भगवान जगन्नाथ की निकली उल्टी रथयात्रा की भव्य झांकी

कोकराझाड़ (हिंस)। देश के अन्य हिस्सों की तरह कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना क्षेत्र में भगवान जगन्नाथ की उल्टी रथयात्रा निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। रथयात्रा आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने आज बताया है कि गत 7 जुलाई को कृष्ण भावनामृत संघ फकीराग्राम ने स्थानीय लोकनाथ मंदिर समिति के सहयोग से कुमारगंज बाजार से भगवान जगन्नाथ की उल्टी रथयात्रा को गाजे बाजे के साथ विशाल झांकी के साथ फकीराग्राम के मुख्य रास्तों से होते हुए लोकनाथ मंदिर तक ले जाया गया। वहां पर भगवान जगन्नाथ की 8 दिनों तक भव्य पूजा अर्चना की गई। उन्होंने बताया सोमवार की शाम लगभग 5 बजे से उल्टी रथयात्रा निकाली गई, जो फकीराग्राम के मुख्य रास्तों से होते हुए देर रात तक कुमारगंज बाजार लाया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में फकीराग्राम थाना के पुलिस कर्मियों ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। ज्ञात हो कि इस यात्रा में फकीराग्राम, चिथीला, दोतमा, कोकराझाड़ आदि स्थानों से सैकड़ों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

एनई फोकस स्वास्थ्य और कल्याण सम्मेलन का करता है आयोजन

गुवाहाटी। अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी जीवनशैली के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत जरूरी है। योग या व्यायाम विशेष रूप से शरीर के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। यह मानना है गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उबेदुल इस्लाम का। वह आज नेडफी हॉल में एनई फोकस द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और कल्याण सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के उपकरण आहार नियंत्रण, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक संतुलन बनाए रखना हैं। एक अन्य सेमिनार में आहार पर चर्चा की गई। सेमिनार में डॉ. सबीना याचर, इंद्राणी दत्ता और डॉ. गीतार्थ रॉय मेधी ने भाग लिया। सम्मेलन में गेस्ट सिटी के चैबीर उद्दीन अहमद ने भाग लिया। सम्मेलन में तेजपुर विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरूप कुमार नाथ भी उपस्थित थे। सम्मेलन का आयोजन खाद्य सुरक्षा विभाग, एनएसएम, एच कंटोल सोसाइटी, आयुष मिशन असम और जनसंपर्क द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में एनई फोकस सचिव संगीता शैकिया, वरिष्ठ पत्रकार मोंटू शैकिया और वरिष्ठ पत्रकार रूपम बरुवा ने भाग लिया।

गुवाहाटी में 31वीं असम राज्य जल खेल प्रतियोगिता का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। 31वीं असम राज्य जल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन असम तैराकी संघ द्वारा डॉ. जाकिर हुसैन जलीय परिसर, सरुसाजई में किया जा रहा है। संघ के महासचिव भास्कर रंजन दास, प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि असम के सभी जिलों से रिकॉर्ड 620 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने की पुष्टि की है। 19 से 21 जुलाई तक आयोजित होने वाली तीन दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 144 स्पर्धाओं में तैराकी का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष की प्रतियोगिता का एक मुख्य आकर्षण वाटर पोलो और डाइविंग इवेंट भी है।

पूसीरे ने ओबीएचएस और कचरा निपटान प्रणाली पर प्रभावी कदम उठाए

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने आरामदायक और स्वच्छ ट्रेन यात्रा उपलब्ध कराने हेतु अपने यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। पूसीरे ने अपने क्षेत्राधिकार के भीतर से चलने वाली अधिकांश ट्रेनों में ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सेवाएं (ओबीएचएस) शुरू की हैं। रेलवे परिसरों और ट्रेन कोचे में स्वच्छता बनाए रखने के लिए आधुनिक उपकरणों द्वारा समर्थित विभिन्न पर्यावरण अनुकूल पहल, उपाय किए गए हैं। ओबीएचएस के तहत, यात्रा के दौरान अनिवार्य रूप से दिन में दो बार और यात्रियों की मांग पर आवश्यकतानुसार कोचों की सफाई की जाती है। पूसीरे ने अब तक 63 जोड़ी ट्रेनों में ओबीएचएस की सुविधाएप्रदान की है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि चलती ट्रेन से सूचना प्राप्त होने पर, ओबीएचएस पर्यवेक्षक, नियंत्रण कार्यालय और यात्री को स्वचालित रूप से एसएमएस उत्पन्न किया जाता है। यात्री शिकायत दर्ज कर उसके निवारण के लिए तुरंत कार्रवाई की जाती है। शौचालय की सफाई, कोच की सफाई आदि के लिए ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग टीम से भी संपर्क किया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप शौचालयों और सवारी को चेकी स्वच्छता स्थिति में सुधार हुआ है और स्वच्छता के संबंध में यात्रियों की शिकायतों में कमी आई है। इसके अलावा, क्लीनट्रेन स्टेशन (सीटीएस) योजना के अंतर्गत लंबी दूरी की ट्रेनों की विशेष रूप से रेलवे द्वारा नियुक्त प्रतिष्ठित और पेशेवर एजेंसियों से इसके निर्धारित ठहराव के दौरान नामित स्टेशनों पर यांत्रिकीकृत प्रक्रिया के माध्यम से विशेष रूप से सफाई की जाती है। सीटीएस टीम उच्च दबाव जेट मशीनों और पर्यावरण के अनुकूल जैव-अपघटनीय सफाई एजेंटों का उपयोग करके ट्रेनों के अंदरूनी हिस्सों की सफाई करती है, विशेष रूप से शौचालय, दरवाजे, गलियारों में। इसके अतिरिक्त, लंबी दूरी की ट्रेनों की यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाले कूड़े को नियमित रूप से लमडिंग, गुवाहाटी, अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी और कटिहार जैसे नामित स्टेशनों पर संग्रह किया जाता है ताकि ट्रेन को साफ सुथरा रखा जा सके। पूसीरे ट्रेन यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। ट्रेन के कोचे को साफ रखने के लिए यात्रियों से सहयोग का अनुरोध है। खाने की चीजें और अन्य कचरा सामान को ट्रेन के फर्श में फेंकने के बजाए रखे गए कूड़ेदान का उपयोग करे।

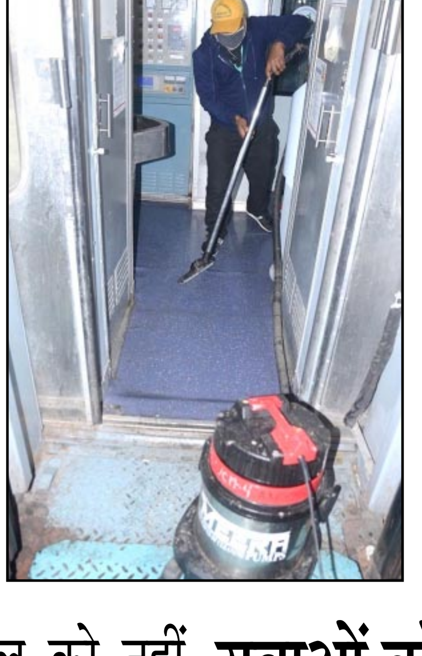

रंगिया में नशेड़ी, जुआरियों के खिलाफ युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। रंगिया में ड्रग्स, तीर व जुवा के विरुद्ध युवा कांग्रेस का प्रदर्शन रंगिया। युवा कांग्रेस ने ड्रग्स, तीर और जुए के खिलाफ रंगिया में विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने रंगिया राजीव भवन से विरोध मार्च निकाला। रंगिया शहर की मुख्य सड़कों पर उतर आई युवा कांग्रेस ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता के गृह निर्वाचन क्षेत्र में भवेश कलिता के खिलाफ विस्फोटक टिप्पणी की। भवेश कलिता का तीर, जुआ, के साथ संबंध क्या है को सार्रजनिक करें, भवेश कलिता मुर्दाबाद, भवेश कलिता गो बैक की जमकर नारेबाजी की। उल्लेखनीय है कि रंगिया में हाल के दिनों में ड्रग्स, तीर और जुए में भारी वृद्धि हुई है। उसके बाद भी पुलिस प्रशासन अपराधियों को खत्म नहीं कर पाया है। कामरूप जिला युवा कांग्रेस ने भी भाजपा और एजीपी के नेतृत्व में रंगिया में चल रहे तीरों और जुए पर हमला बोला। बाद में प्रदर्शनकारी सरकार विरोधी नारे लगाते हुए रंगिया राजस्व चक्रधिकारी के कार्यालय पहुंचे और रंगिया राजस्व चक्र अधिकारी के मार्फत से रंगिया महकमाधिपति, रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी और रंगिया थाने के पुलिस अधिकारी को ज्ञापन भेजकर नशा, तीर और जुए को बंद करने की मांग की।

नागरिकता से जुड़ा मामला विदेशी ट्रिब्यूनल को नहीं भेजने का नोटिफिकेशन पर छात्र संघ का विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। अखिल असम छात्र संस्था के आह्वान पर अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के कार्यकर्ताओं ने असम सरकार की ओर से असम में 31 दिसंबर 2014 से पहले आए लोगों की नागरिकता से जुड़ा मामला विदेशी ट्रिब्यूनल को नहीं भेजने का नोटिफिकेशन जारी किया है। छात्र संघ इसका कड़ा विरोध कर रहा है। का कानुन हमे ना स्वीकार था और ना ही होगा। असम अवैध विदेशियों का बोझ नहीं उठा सकता है। अखिल असम छात्र संस्था (आसू) सीएए वापस नही लिए जाने तक उच्चतम न्यायालय के साथ मिलकर अपना प्रदर्शन जारी रखेगा। अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के सचिव तौफीकुर रहमान ने विरोध प्रदर्शन में मौजूद रहकर कहा कि 25 मार्च 1971 से पहले, असम अवैध विदेशियों का बोझ उठा रहा है। असम अब एक भी विदेशी का बोझ नहीं उठाना चाहता। अगर बाकी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए का कानुन बुरा है तो असम के लिये अच्छा कैसे हो सकता है। वे सड़कों पर भी आंदोलन करते रहेंगे और अदालतों में भी जिनके खिलाफ आंदोलन जारी रहने की बात कही। प्रदर्शन में अखिल कामरूप जिला छात्र संघ कार्यालय सचिव बुबुल अली, कार्यकारिणी सदस्य श्यामंत कलिता, रंगिया आंचलिक छात्र संघ के सचिव नब ज्योति कुमार मौजूद थे।

युवाओं को सशक्त बनाने के लिए यंग इंडियंस के कई कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के तहत यंग इंडियंस (वाईआई) के गुवाहाटी चैप्टर पूर्वोत्तर के युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वाईआई गुवाहाटी चैप्टर ने भारत सरकार के युवा मामलों के विभाग के साथ मिलकर इंडिया यूथ 20 इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में काम कर रहा है। चैप्टर ने युवा विकास पर केंद्रित कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की मेजबानी करने के लिए असम सरकार के शिक्षा विभाग के साथ भी सहयोग किया है। हाल ही में, चैप्टर की ओर से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, गुवाहाटी इकाई के साथ साझेदारी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक साइक्लोथॉन और वॉकथॉन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने युवाओं में समुदाय और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने और साथ ही एक स्वस्थ, नशा मुक्त जीवन शैली की वकालत करते हुए क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त राज्य में सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए असम सरकार के परिवहन विभाग के साथ भागीदारी की है। चैप्टर का प्रतिष्ठित छोटा कॉप कार्यक्रम गुवाहाटी के स्कूलों में सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। इसके अलावा पैरा गेम्स, किड्स गॉट टैलेंट, भ्रमण, जागरूकता सत्र, ब्रेल मेनू आदि के आयोजन से लेकर, चैप्टर लगातार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। चैप्टर की उल्लेखनीय सामाजिक पहलों में से एक मासूम जागरूकता सत्र है, जहां सदस्य बच्चों के लिए बाल यौन शोषण पर प्रशिक्षण देकर उनके लिए सुरक्षित और संरक्षित वातावरण बनाने के लिए अथक प्रयास करते हैं। वाईआई गुवाहाटी चैप्टर के अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य यंग इंडियंस को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे एक साथ आ सकें, विचारों को साझा कर सकें और समुदाय में सकारात्मक प्रभाव पैदा करने की दिशा में काम कर सकें। संस्था के सह-अध्यक्ष सुश्री रोनक खेतावत ने कहा कि हमारा लक्ष्य यंग इंडियंस के जीवन में सार्थक बदलाव लाना और क्षेत्र के विकास में योगदान देना है।

संपादकीय

रक्षा उत्पादन में उत्साहजनक वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'संकल्प से सिद्धि' के विचार देश के सामने रखे थे, जिनके सुखद परिणाम हमें दिखायी दे रहे हैं। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था, जिसकी पूर्ति हेतु रक्षा उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करके अपने यहाँ उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कुल वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जो एक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बीते वर्ष 16.7 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही कहा भी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान साल-दर-साल नये-नये मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं प्रयासों के सकारात्मक परिणाम तो अनेक क्षेत्रों में दिख रहे हैं, पर रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का एक विशिष्ट महत्व है। ऐतिहासिक रूप से हम अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहे हैं। कुछ वर्षों से भारत सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि हमारी सेनाएं कई वस्तुओं की खरीद देश में ही करेंगी। इन वस्तुओं की सूची लगातार बड़ी होती जा रही है। बड़ी आयुध सामग्री के निर्माण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण भी हो रहा है। स्मरण रखें कि इनके निर्माण की क्षमता कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। इसलिए यह विशेषतौर पर उल्लेखनीय है। आयात घटने और निर्यात बढ़ने से खर्च में कमी आ रही है और रक्षा उद्योग की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है। हमें ध्यान रखना होगा कि हथियारों की आपूर्ति में भू-राजनीतिक स्थितियों तथा तकनीक को लेकर विभिन्न देशों की संरक्षणात्मक नीतियों का भी प्रभाव होता है। देश में रक्षा उत्पादन बढ़ने से ऐसे दबावों में भी कमी आ रही है। जिन देशों को रक्षा उत्पाद बेचे जा रहे हैं, उनके साथ हमारे रणनीतिक संबंध भी बेहतर हो रहे हैं। इससे वैश्विक मंच पर भारत के प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिल रही है। निर्यात में वृद्धि यह भी इंगित करती है कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भरोसा बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि आयातकों में अमेरिका, ब्रिटेन, इस्राइल, फ्रांस, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, सऊदी अरब आदि देश शामिल हैं। इनमें से अनेक देश विकसित अर्थव्यवस्थाएं हैं तथा रक्षा उत्पादन में शीर्षस्थ हैं। बीते वित्त वर्ष में कुल उत्पादन (मूल्य के हिसाब से) का 79 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा उत्पादित किया गया और शेष योगदान निजी क्षेत्र ने किया। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में विस्तार हो रहा है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने समेत विभिन्न सुधारों के परिणाम उत्साहजनक हैं। वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रहा, जो अभूतपूर्व है। साल 2022-23 में यह आंकड़ा 15,920 करोड़ रहा था। रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में वृद्धि की गति के बने रहने की पूरी संभावना है, जिसका एक संकेत हमें शेयर बाजार में संबंधित कंपनियों के प्रदर्शन से मिलता है। इसे ठोस आधार देने के लिए शोध एवं अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि हम अत्याधुनिक तकनीक आधारित साजो-सामान का उत्पादन बढ़ा सकें।

> रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था, जिसकी पूर्ति हेतु रक्षा उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करके अपने यहाँ उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कुल वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जो एक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बीते वर्ष 16.7 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही कहा भी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान साल-दर-साल नये-नये मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं प्रयासों के सकारात्मक परिणाम तो अनेक क्षेत्रों में दिख रहे हैं, पर रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का एक विशिष्ट महत्व है। ऐतिहासिक रूप से हम अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहे हैं। कुछ वर्षों से भारत सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि हमारी सेनाएं कई वस्तुओं की खरीद देश में ही करेंगी। इन वस्तुओं की सूची लगातार बड़ी होती जा रही है। बड़ी आयुध सामग्री के निर्माण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण भी हो रहा है। स्मरण रखें कि इनके निर्माण की क्षमता कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। इसलिए यह विशेषतौर पर उल्लेखनीय है। आयात घटने और निर्यात बढ़ने से खर्च में कमी आ रही है और रक्षा उद्योग की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है।

2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

तनवीर जाफ़री

> भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत वैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाईं काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुकाहै। यहां सिचाईं में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

इसी वर्ष के मध्य में दक्षिण ईक्रा से आईं इस ख़बर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया किराजधानी केपटाउनको विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरुआत में ही वैपटाउनके लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षो से लगातार पड़ने वाला सूखा इस ख़तरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फ़रवरी 2018 में ही डे-ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपरूति बंद कर दी गईं थी। उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आख़िरकार मईं 2024 में इसी वैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया। अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपरूति वेंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत वैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाईं काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुकाहै। यहां सिचाईं में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है। तो क्या पूरा विश्व वैपटाउन जैसे जल संकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है? यदि वुछ दिन पहले जारी की गयी संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी पर नजर डालें तो संयुक्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरुआत हो चुकी है। वुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वालेबेंगलुरु में अमीरों ग़रीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी क़तार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्यां न

तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज़्यादा वक़्त लगता नज़र नहीं आता। जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़, लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाईं करते, नहाते, कपड़े धोते, मस्ती करते, फ़ोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर वुछ ग़रीबों को मक्के की छल्ली बेचते, चिप्स, चाय कोल्ड ड्रिंक्स गोली टॉफ़ी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं पर इकट्ठी बर्फ़ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्त्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं। मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्त्रोतवाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फ़ागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल शे होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है'। इसके बाद नारवंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू पैली हुईं थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो ज़रूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहातो तब हुईं जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यक्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौक़ा था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया। ग्लोबल वरमिग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोईं तात्कालिक जादुईं समाधान तो नज़र नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यक्ति व सरकारों को इस दिशा में वुछ न वुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्रावृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये। ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रवृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी, पाटा, मरना, सालगिरह, विवाह वर्षगांठ, बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिी में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रवृति प्रदूषण मुत्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरित्त र्वषा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की .ज़रुरत है। इससे जल संग्रहणभी होगा और आसपास का भूगभाय जलस्तर भी सुधरेगा। नवर्निमित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप .ज़मीन में डालने की प्राथि (लैंड रिचरजिंग सिस्टम) को अनिवार्यंकिया जाना चाहिये। समय रहते यदि हमने जलसंरक्षण के उपाय नहीं किये तो यकीन जानिये वह दिन दूर नहीं जब हम अपने बच्चों को भीषण जलसंकट के वातावरण में छोड़ कर जाने के लिये मजबूर होंगे।

दृष्टि कोण

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की राह में चुनौतियां

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी। देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं। भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं। शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं। देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे। फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है। भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है। शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था। हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है। भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को

नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है। आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके। आयोग ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठित/जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए। आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है। जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है। इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो। आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है। आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए। आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए। उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं; आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे।

कुछ अलग

एआइ पर बड़ी पहल

दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति हुई है। इसके साथ-साथ इसके दुरुपयोग और कुप्रभावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि एआइ के मामले में भारत सरकार दो पहलुओं पर काम कर रही है- इसकी क्षमता को बढ़ाना तथा सुरक्षा के उपाय करना। बीते मार्च में कैबिनेट ने 'इंडिया एआइ मिशन' को स्वीकृति दी थी। अगले दो-तीन महीनों में इस मिशन को प्रारंभ कर दिया जायेगा। मानें, तो इसकी संभावनाएं असीमित हैं। ऐसे में भारत का यह मिशन बहुत आवश्यक पहल है। सरकार के आगे आने से प्रोग्रामरों, डाटा विशेषज्ञों तथा निवेशकों का भरोसा भी बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि बीते कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने शोध एवं अनुसंधान के मद में आवंटन बढ़ाने का सिलसिला भी शुरू किया है। किसी अन्य तकनीक की तरह एआइ के दुरुपयोग के मामले भी सामने आने लगे हैं। भारत में डिजिटल मसलों से जुड़े कुछ कानून बने हैं और कुछ प्रस्तावित हैं। पर एआइ के क्षेत्र में

विशिष्ट नियमन की आवश्यकता है। यूरोपीय संघ ने एक कानून बनाया है तथा अमेरिका में एक आधिकारिक आदेश जारी हुआ है। ऐसी पहलें नियमन का आधार बन सकती हैं। इसके लिए 10,300 करोड़ रुपये की योजना बनायी जा रही है। एआइ अनुसंधान को गति देने के लिए 10 हजार से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट की खरीद होगी। साथ ही, अन्वेषण केंद्र, डाटा सेट आदि भी स्थापित होंगे। इस योजना में निजी क्षेत्र की भी भागीदारी होगी। इस मिशन से एआइ के विकास में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। पहले से ही अनेक स्टार्टअप सक्रिय हैं तथा निजी कंपनियां डाटा केंद्र बना रही हैं। वैष्णव ने ग्लोबल इंडिया एआइ समिट को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि तकनीक तक सभी की पहुंच होनी चाहिए। इस संबंध में भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। बहुत कम समय में एआइ ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित की है। विशेषज्ञों की लेकिन जैसा कि वैष्णव ने रेखांकित किया है, प्रभावी तरीके से एआइ के बेजा इस्तेमाल को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन और विचार प्रक्रिया की आवश्यकता है। इंटरनेट और कंप्यूटर नेटवर्कों का विस्तार वैश्विक है। कोई अपराधी कहां बैठकर हैकिंग कर रहा है या डाटा चुरा रहा है या धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा है, इसका पता लगाना तथा रोकथाम करना बहुत ही कठिन है। भू-राजनीतिक तनावों से ग्रस्त विश्व में तकनीक एक बड़ा हथियार भी बन चुकी है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नियमन और सहकार होना आवश्यक है। भारत डाटा सेंधमारी का बड़ा निशाना है। एआइ के जरिये भी देश का नुकसान करने की कोशिशें हो सकती हैं। ऐसे में विकास के साथ-साथ सतर्कता बरतना भी जरूरी है।

देश दुनीया से

कारगिल के सबक दूर करेंगे अग्निपथ की खामियां

> राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था।

कारगिल युद्ध (1999) में 4 जुलाई का बड़ा महत्व है, इस दिन इस युद्ध के क्रियान्वयन एवं राजनीतिक पहलुओं पर गोष्ठियां आयोजित होती हैं। इस बार, वर्तमान चुनौती-अग्निपथ योजना- के बीच चले विमर्शों ने ऊंचाई वाले रणक्षेत्र के रक्षा प्रबंधन तंत्र में सुधार हेतु महत्वपूर्ण उपाय पेश किए हैं। क्रियान्वयन के स्तर पर, टाइगर हिल (16,606 फीट) पर 18वीं ग्रेनेडियर बटालियन की 'घातक' पलटन द्वारा किया कब्जा भारत के लिए निर्णायक मोड़ वाला रहा, पाकिस्तानी सेना का नेतृत्व कर रहे जनरल परवेज़ मुशर्रफ को इस नुकसान से भान हो चला था कि यह उनके बेवकूफाना दुस्साहस के अंत की शुरुआत है। राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था। हालांकि, आधिकारिक रूप से युद्ध 26 जुलाई को समाप्त घोषित हुआ था, जिसे भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संभावना है कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार इस अवसर की 25वीं वर्षगांठ को विशाल स्तर पर मनाएगी। इस लड़ाई के परिणामों का गहराई से आकलन और विमर्श, भारत की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता की अहमियत पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं। वर्ष 1999 के युद्ध साल को कई वजहों से त्रिकोणीय कहा जा सकता है– मसलन, चाहे यह 'परमाणु परछाई' (भारत और पाकिस्तान, दोनों ने, मई 1998 में अपनी परमाणु समर्था का प्रदर्शन किया) या दिसम्बर, 1991 में महाशक्तियों के बीच शीत युद्ध की समाप्ति के बाद कारगिल युद्ध इस उप-महाद्वीप का पहला बड़ा संघर्ष था या फिर इस तथ्य के मद्देनज़र कि उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी कार्यकारी प्रधानमंत्री थे। लेकिन मेरी नज़र में इस युद्ध का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम वह फैसला था जब भाजपा नीत एनडीए ने लड़ाई से पहले की कोताहियों और कमियों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा के लिए गैर-सरकारी विशेषज्ञों के समूह को काम सौंपना स्वीकार किया। कारगिल युद्ध जीत थी भारतीय फौजी की कभी न दबने वाली लड़ाकू खासियत और पराक्रम की, और टाइगर हिल एवं तोलोलिंग चोटी पर फतह इसका जीवंत उदाहरण है। बेशक जहां इस बहादुरी को याद किया जाता है और मानना बनता है, वहीं बड़ी संख्या में जवानों की कीमती जानों का बलिदान हुआ, वहीं ऊंचाई वाले रणक्षेत्र की बाबत देश के रक्षा विभाग के कर्ता-धर्ताओं को उनकी व्यापक असफलताओं के लिए कठघरे में भी खड़ा करता है। यह श्रेय तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को जाता है कि उन्होंने 29 जुलाई, 1999 को रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समीक्षा कमेटी गठित की, जिसको काम सौंपा गया- जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले के कारगिल में पाकिस्तानियों की घुसपैठ के पूर्व-कारकों की

पड़ताल और भविष्य में इस प्रकार की सशस्त्र सेंधमारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पैदा होने वाले खतरों की रोकथाम के आवश्यक उपाय सुझाना। विशेष व प्रशंसनीय ढंग से, कारगिल समीक्षा कमेटी ने समय से पहले अपना काम दिसम्बर, 1999 के मध्य में पूरा कर दिखाया– तयशुदा सीमा से एक महीना पहले– और 23 फरवरी, 2000 को कारगिल रिपोर्ट संसद में पेश की गई। तुरंत बाद, यह रिपोर्ट बतौर एक किताब छपी और कुछ हिस्सों की कांट-छांट के बाद सार्वजनिक तौर पर भी जारी हुई। 'कारगिल-1999' नामक यह रिपोर्ट काफी हद तक पारदर्शितापूर्ण है जबकि अक्तूबर, 1962 में चीन के हाथों मिली अभागी हार की समीक्षा में ऐसा अभी तक नहीं हो पाया। नेहरू से लेकर मोदी तक आए, किसी भी प्रधानमंत्री ने इतना निश्चय नहीं दिखाया कि हेंडरसन-ब्रुक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से जारी किया जाए, हालांकि लीक हुए दस्तावेज साइबर स्पेस पर उपलब्ध हैं। आज, कारगिल विजय के 25 साल बाद, यह शर्म की बात है कि कारगिल समीक्षा समिति द्वारा सुझाई मुख्य हिदायतों में बहुतों पर संसद में न तो विमर्श हुआ न ही संबंधित संसदीय समिति में विस्तारित और रचनात्मक ढंग से इस पर विचार हुआ।

आप का नजरीया

नयी सरकार के पहले बजट से उम्मीदें

सभी की निगाहें तीसरी मोदी सरकार द्वारा लाये जा रहे केंद्रीय बजट पर है। ऐसे कयास लगाये जा रहे हैं कि क्या आगामी बजट में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की एकतरफा छाप दिखेगी या गठबंधन की राजनीति का दबाव भी होगा। कयासों का रुख ज्यादातर इस तरफ है कि सरकार निश्चित तौर पर बजट के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास को उसी पथ पर और तेजी से बढ़ाने की कोशिश करेगी, जो उसने पिछले दस वर्षों में स्थापित किया है। बजट के माध्यम से सरकारें वित्तीय वर्ष के दौरान देश के आर्थिक विकास को विभिन्न आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तावित करने की कोशिश करती हैं। इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है क्योंकि बजट एक रोडमैप है, जिसके अनुसार सरकार अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। दो-तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े बुनियादी बदलाव हुए हैं और आज वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत छवि है। वैश्वीकरण के इस युग में भारत के लिए अटूट आर्थिक संभावनाएं इसलिए भी लगातार बनी हुई है क्योंकि भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। हालांकि घरेलू मोर्चे पर इस कारण बेरोजगारी की एक अनवरत समस्या भी है, फिर भी लगातार बढ़ती आर्थिक विकास दर विश्व को आकर्षित करने में सक्षम बनी हुई है। इस बात का श्रेय मोदी सरकार को जाता है कि उसके नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था जीडीपी के पैमाने पर तेज प्रगति करते हुए वैश्विक दौड़ में पांचवें पायदान पर पहुंची है। विश्व के सभी बड़े आर्थिक संस्थान व रेटिंग एजेंसियां आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को सात ट्रिलियन डॉलर के मुकाम पर पहुंचते हुए देख रही हैं। तब जापान और जर्मनी भारत से पीछे रह जायेंगे। अगर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल की आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि सरकार का रुख पूंजीगत खर्चों पर बहुत अधिक एकाग्र और सकारात्मक है। आंकड़ों के हिसाब से मनमोहन सिंह सरकार अपने आखिरी दौर में पूंजीगत खर्चों पर बजट का करीब 12 प्रतिशत खर्च कर रही थी, जिसे मोदी सरकार बड़ी तेजी से बढ़ाते हुए 22 प्रतिशत से अधिक कर चुकी है। वित्त वर्ष 2023-24 में आधारभूत सुविधाओं पर हुआ वास्तविक खर्च 18।6 प्रतिशत है और बाकी बचा 3।6 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न राज्यों, सार्वजनिक उपक्रमों को वित्तीय ऋण के तौर पर आवंटित किया गया है। इस खर्च के चलते ही अर्थव्यवस्था में तेजी आयी और निजी निवेश का प्रतिशत भी लगातार बढ़ा। इससे जीडीपी की लगातार वृद्धि होती रही है। यह भी एक हकीकत है कि भारत में युवाओं में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। रोजगार में बढ़ोतरी हो रही है, पर अवसरों की संख्या उतनी नहीं हो पा रही है कि इस समस्या का ठीक से समाधान हो सके। मोदी सरकार को इस बार आम चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने का यह एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। बजट में इस संदर्भ में प्रावधान होने चाहिए। यह स्थिति भी चिंताजनक है कि निजी क्षेत्र निवेश के बदले सरकार से बहुत अधिक अपेक्षाएं रखता है।

प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारी 24 से हड़ताल पर स्वास्थ्य सेवाएं होंगी बाधित

फतेहाबाद (हिंस)। चिकित्सकों के बाद अब स्वास्थ्य कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने की तैयारी में है। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में 24 जुलाई से 3 दिन की सांकेतिक हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। तीनों दिन एनएचएम कर्मचारी अपनी सेवाएं ठप्प रखकर मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे। मंगलवार को इस बारे जानकारी देते हुए स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विपिन शर्मा ने बताया कि 24 जून को पूरे हरियाणा के एनएचएम कर्मचारियों ने ब्लैक रिबन लगाकर अपना रोष प्रकट किया। 2 जुलाई को सिविल सर्जन को मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के नाम व 5 से 12 जुलाई तक सभी भाजपा के जिला अध्यक्षों व एमएलए को ज्ञापन सौंपे गए। उस समय सरकार को यह चेताया गया था कि अगर 14 जुलाई तक कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया जाता है।

कांग्रेस भ्रम फैलाने में कामयाब रही : सीपी जोशी

झुंझुनू (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सीपीआई जोशी मंगलवार को झुंझुनू विधानसभा में तैयारियों का कार्यक्रम लेकर पहुंचे। यहां उन्होंने जिला भाजपा कार्यालय में संगठन पदाधिकारी की बैठक ली। इसके बाद झुंझुनू विधानसभा के पदाधिकारियों-कार्य सत्रों के साथ अलग से बैठक की जाएगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बजट राजस्थान के विकास की आधारशिला है। ऐतिहासिक बजट आया है, हर वर्ग को राहत दी गई है। वहीं राजस्थान में कांग्रेस में 11 सीटें मिली हार पर दोषी करार देते हुए कहा गया कि कांग्रेस ने राजस्थान में ही नहीं, बल्कि कहीं भी भ्रम में कामयाब नहीं रही। इसके बाद भी भाजपा ने राजस्थान में कांग्रेस से

12 प्रतिशत ज्यादा हासिल किया है। कुछ स्थान परिस्थितियां भी बनीं। वहीं कुछ जगह कांग्रेस परजीवी भी खुद के दम पर जीत नहीं सके इसलिए गठबंधन कर लिया। इसलिए कुछ सीटों पर भाजपा को नुकसान हुआ। लेकिन आज भी राजस्थान की जनता का आशीर्वाद भारतीय जनता के साथ है। जोशी ने कहा कि भाजपा पार्टी विशाल परिवार है। सब मिलाकर कमल के निशान पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी उप चुनाव को लेकर कार्य योजना बनाई गई है। भाजपा जमीनी स्तर पर काम करने वाली पार्टी है। वही कांग्रेस सिर्फ चुनाव के समय दिखाई देती है। कांग्रेस नेता चुनाव जीतने के बाद पांच साल तक जनता के बीच में नहीं रहते हैं। कोविड काल में इनके नेता हाईफाई होटल में आराम कर रहे थे। जबकि हमारे कार्यकर्ता दिनरात जनता की सेवा में लगे हुए थे। एक सवाल के जवाब में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। यहां सभी एकजुटता से पार्टी के लिए काम करते हैं। झुंझुनू विधानसभा के लिए भी सभी कार्यकर्ता एकजुट हैं।

हरियाली से लहलहाएंगे बंद पड़े माइनिंग क्षेत्र, प्रदेश में चित्तौड़ से हो रही शुरुवात

चित्तौड़गढ़(हिंस)। खनिज विभाग राजस्थान में चित्तौड़गढ़ से एक नई शुरुआत करने जा रहा है। कभी धमाकों और लोगों की आवाजाही से आबाद रहे बंद पड़े माइनिंग क्षेत्र को हरा भरा बनाया जाएगा। चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय के निकट भैरूसिंहजी का खेड़ा के बंद पड़े माइनिंग क्षेत्र में पौधारोपण की योजना तैयार की गई है। इस योजना को शीघ्र अमलीजामा पहनाया जाएगा। संभवतया राजस्थान में चित्तौड़गढ़ से ही इसकी शुरुआत होने जा रही है और कहीं पर भी बंद पड़ी माइंस में पौधारोपण को लेकर योजना तैयार नहीं हुई है। चित्तौड़गढ़ में जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशन में खनिज विभाग ने इस योजना पर कार्य करना शुरू कर दिया है। जानकारी में सामने आया कि सरकार की और से इस वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए पूरे प्रदेश में अधिक से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य तय किया गया है। चित्तौड़गढ़ जिले में भी करीब 11 लाख से अधिक पौधे लगाने की योजना है। आम जनता और विभागों के सहयोग से इसमें पौधारोपण शुरू कर दिया है। इसमें खनिज विभाग के मुख्यालय से गत दिनों निर्देश आए थे कि बंद पड़े माइनिंग क्षेत्र में भी पौधारोपण किया जा सकता है। इससे पौधरोपण के लिए नया क्षेत्र मिलेगा और जमीन का भी सदुपयोग होगा। ऐसे में चित्तौड़गढ़ जिला कलक्टर के निर्देशन में खनिज अभियंता चित्तौड़गढ़ की टीम ने इसको लेकर कार्य करना शुरू किया। जिला मुख्यालय से करीब छह किलोमीटर दूर भैरूसिंहजी का खेड़ा में खनिज विभाग ने स्थान का चयन किया है। यहां लंबे समय से खनन बंद है। यहीं पौधारोपण को लेकर योजना बना कर तैयारी शुरू कर दी गई है। पहले चरण में 100 पौधे लगाए जाएंगे। खनिज अभियंता ए सिद्दीकी ने बताया कि भैरूसिंहजी का खेड़ा में 22 हेक्टेयर जमीन चिन्हित की गई है। यहां वन विभाग की तर्ज पर उपवन क्षेत्र तैयार कर के पौधारोपण होगा। माइंस में खड्डों के बीच तालाब जैसे पानी भरा रहेगा और उनके चारों तरफ हरियाली रहेगी। भविष्य में हरियाली के बीच माइंस के खड्डों में भर पानी आंखों और मन को सुकून देगा। बंद पड़ी माइंस में अतिक्रमण की समस्या से भी इस निर्णय के बाद निजात मिल सकेगी। बंद पड़ी माइंस में लोग अब कब्जा करने लगे हैं। ऐसे में अतिक्रमण को मुक्त करने के लिए भी यह एक कारगर कदम साबित हो सकता है। यहां पौधारोपण के साथ ही चार दीवारी के लिए भी प्रयास किया जा रहा है। सरकारी मद या संस्थाओं के सहयोग से चार दीवारी का निर्माण होगा। इसके बाद भविष्य में पौधों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। भैरूसिंह जी का खेड़ा का माइनिंग क्षेत्र चित्तौड़ दुर्ग के पीछे की और स्थित है। यहां पर खनन काफी समय से बंद है। यहां पर ब्लास्टिंग होने के कारण चित्तौड़ दुर्ग को नुकसान पहुंच रहा था।

पोर्टल सरकार से परेशान हो चुकी हरियाणा की जनता बदलाव के मूड में : बृजलाल

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व जिला परिषद चेयरमैन बृजलाल ने कहा है कि भाजपा की पोर्टल सरकार से हरियाणा की जनता अब बेहद तंग आ चुकी है और जनता प्रदेश में बदलाव लाने के लिए तैयार है। फेमिली आईडी, प्रोपर्टी आईडी व अन्य ऑनलाइन सुविधाएं प्रदेश के लोगों के जी का जंजाल बनी हुई है। इनमें हुई त्रुटियों को हटाने के लिए लोग दर-दर भटक रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं है। कांग्रेस नेता बृजलाल मंगलवार को उकलाना हलके के पनिहारी, सोथा व भाड़ा गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया है लेकिन प्रदेश के लोगों को अब अधिक दिनों इस सरकार की जुल्म ज्यादती सहनी नहीं पड़ेगी क्योंकि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का ग्राफ तेजी से लगातार बढ़ रहा है और कुमारी सैलजा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हरियाणा में अगली सरकार बनाएगी। बृजलाल ने बताया कि तीनों गांवों में लोगों की एक ही आवाज है कि अबकी बार कांग्रेस सरकार। ग्रामीणों ने कांग्रेस की सरकार लाने के लिए तन-मन-धन से अपना समर्थन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें बृजलाल पर पूरा भरोसा है जिन्होंने पूर्व में जिला परिषद चेयरमैन रहते हुए जिस प्रकार से हलके की सेवा की थी उसी प्रकार इस बार विधानसभा में वे हलके की आवाज को मजबूत करेंगे और उकलाना को तरक्की के रास्ते पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से दिनेश कुमार, प्रदीप दीपू, रणधीर, राममेहर, संदीप काला, माना सरपंच, बृजेश, विकास, डॉ. बलजीत, जयवीर वर्मा, शीलू पहलवान, अमरदीप, राजेंद्र, सुनील, अनूप, डॉ. रामफल, गोगा, विकस, सुरेंद्र, वजीर पूनिया, ज्ञान मास्टर, सरजीत पप्पू, मान सिंह सरपंच, संदीप पातड़, हरदीप पूनिया सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

पायलट में नेतृत्व की क्षमता, काबिलियत को सलाम

फोन टैपिंग बड़ा अनैतिक वो नेतृत्व के लिए योग्य नहीं : हरीश चौधरी

बाड़मेर (हिंस)। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर बड़ा बयान दिया है। हरीश चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट में नेतृत्व की क्षमता है। मैं उनकी काबिलियत को सलाम करता हूं। मैं गठजोड़, ठगजोड़ के साथ कभी नहीं रहा। एक मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में चौधरी ने फोन टैपिंग मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा- अगर फोन टैपिंग हुआ है तो बड़ा अनैतिक है। जो व्यक्ति अनैतिक कृत्य करता है, वह नेतृत्व के लिए योग्य नहीं है। चौधरी ने कहा कि मीडिया ने भ्रम फैलाया, पायलट ने कभी मुख्यमंत्री बनने की बात नहीं की। उन्होंने कभी प्रदेशाध्यक्ष या मंत्री बनाने की भी बात नहीं की। उनकी छवि खराब करने के लिए सुनियोजित साजिश

रची गई। पायलट ने तर्क के आधार पर यह डिमांड रखी थी कि उनके एमएलए और कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सचिन पायलट राजस्थान के निर्माण के लिए अपने आपको झोंक रहा है। पैदल चलना पड़ता है तो चल रहा है। वो सरकार के खिलाफ नहीं था, वो मुद्दे के आधार पर था। राहुल गांधी के अनुयायी हैं, नरेंद्र मोदी के अनुयायी नहीं हैं। कांग्रेस के अंदर रहने वाले लोग उनको आदर्श मानते हैं। हम लोग असली कांग्रेस हैं। यह सबको पता है कि कौन इस तरीके का गठजोड़ कर रहा है। मुद्दों के आधार पर राजनीति करो। फोन टैपिंग पर चौधरी ने कहा कि अगर फोन टैपिंग हुआ है तो बड़ा अनैतिक है। जो व्यक्ति अनैतिक कृत्य करता है, वो व्यक्ति नेतृत्व के लिए योग्य नहीं है। कोई भी व्यक्ति हो, जिस किसी ने फोन टैप किया है। वो योग्य व्यक्ति नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि फोन टैपिंग हुई है या नहीं। फोन टैपिंग हुई है तो किसने की है, ये दोनों सवाल हैं। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। हरीश चौधरी ने अपनी सरकार पर बात करते हुए कहा कि कई ऐसे फैसले हुए, जैसे- दूदू को जिला बना दिया, कोई व्यक्ति इस तर्क को स्वीकार करेगा क्या? केवल वाहवाही लेने के लिए यह किया। बायतु जिला बनाने का मुझे किसी ने कहा, अगर मैं बायतु को जिला बना दूं तो तार्किक तौर पर सही था। कई ऐसे फैसले थे। हमारा संविधान क्या कहता है कॉलेबोरेटिव चीजें होनी चाहिए। भैरोंसिंह शेखावत ने जिस दिन बिजनेस रूल्स में फेरबदल किया, उस दिन आगे बढ़ता राजस्थान ठप हो गया। किसी मुख्यमंत्री ने फेरबदल नहीं किया, मैंने वो बात कई बार उठाई। हरीश चौधरी ने उपचुनाव में हनुमान बेनीवाल से गठबंधन पर कहा कि हमारा राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन हो जाता है। फिर हम लोग उस गठबंधन को भावना के तौर पर मानते हैं। उस समय पर हमारी सोच और ईगो बीच में नहीं आता है। जिस किसी से गठबंधन होगा।

भीख मांगते हुए छह नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू

फरीदाबाद (हिंस)। आप्रेशन स्माइल के तहत पुलिस क्राइम ब्रांच ने बीके चौक व चिमनीबाई धर्मशाला चौक से भीख मांग रहे छह नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि आप्रेशन स्माइल के तहत कार्य करते हुए अपराध शाखा कैट ने बीके चौक व चिमनी बाई धर्मशाला चौक से 6 नाबालिग बच्चों को भीख मांगते हुए रेस्क्यू किया है। सभी बच्चों की उम्र 6 से 12 वर्ष के बीच है। भीख मांगने वाले नाबालिग बच्चों व उनके अभिभावकों की काउंसलिंग कराई गई। चेयरपर्सन बाल कल्याण समिति फरीदाबाद ने उपरोक्त बच्चों के परिजनों को हिदायत देकर बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि जीवन में शिक्षा का बहुत बड़ा महत्व है। स्कूली शिक्षा सामाजिक मान्यताओं, नैतिक मूल्यों, और सही आचार-व्यवहार के बारे में सिखाती है।

डोडा मुठभेड़ में घायल सेना के कैप्टन सहित पांच जवान बलिदान

जम्मू (हिंस)। जम्मू कश्मीर के डोडा के देसा वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में मंगलवार को बलिदान हुए सेना के कैप्टन और पांचों जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने सोमवार देर शाम डोडा शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में घायल पांचों बहादुरों ने मंगलवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सेना की 16 वीं व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा के उत्तर में सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी था। सोमवार रात करीब 9 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद भारी गोलीबारी शुरू हुई। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार देर रात तक गोलीबारी के बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन कैप्टन के नेतृत्व में जवानों ने चुनौतीपूर्ण इलाके और घने जंगल के बावजूद उनका पीछा किया। इसके बाद सोमवार रात करीब 9 बजे फिर से गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर मंगलवार को उपचार के दौरान पांचों ने दम तोड़ दिया। मंगलवार सुबह अधिक सैनिकों के साथ इलाके की तलाशी शुरू की गई है। मंगलवार को आतंकवादियों से कोई नया संपर्क नहीं हुआ है। माना जाता है कि वे सीमा पार से घुसपैठ कर आए हैं और पिछले कुछ महीनों से जंगल क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इससे पहले 9 जुलाई को किश्तवाड़ जिले की सीमा से लगे घड़ी भगवा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद आतंकवादी भागने में सफल रहे। 26 जून को जिले के गंदोह इलाके में एक दिन के ऑपरेशन में तीन विदेशी आतंकवादी मारे गए।

वर्तमान राजनीति ने किया शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद : उमेश शर्मा

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमेश रतन शर्मा ने दावा किया है कि इस बार नलवा हलका में बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम जो राजनीति जात-पात, दारू-पैसे या धर्म के नाम पर चुनते हैं उस राजनीति ने हमारी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। उमेश शर्मा मंगलवार को नलवा विधानसभा के गांव हरिता में बदलाव जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले के सबसे बड़े अफसर डीसी के बच्चों को तो प्राइवेट स्कूल की बीस से तीस हजार सैलरी वाली मैडम पढ़ाती है और मजदूर के बच्चे को 70-80 हजार वाली मैडम पढ़ाती है। यानि पैसे की तो कोई कमी नहीं है, फिर भी बच्चे इस शिक्षा व्यवस्था से बर्बाद हो रहे है। लोग दिन-रात मेहनत करते हैं।

केशव प्रसाद मौर्य से मिलने के लिए नेताओं व मंत्रियों की भीड़ बढ़ी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ती जा रही है। सात कालिदास मार्ग स्थित उनके आवास पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम जन से लेकर विशिष्ट जन उनसे भेंट करने पहुंचते हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद केशव प्रसाद मौर्य के यहां उनसे मिलने वाले नेताओं की भीड़ अचानक बढ़ गई है। इससे कयास लगाए जा रहे हैं पार्टी उनकी आगामी भूमिका के बारे में विचार कर रही है। पिछले दो दिनों की बात करें तो केंद्रीय व प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से लेकर बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता, सांसद व बड़ी संख्या में विधायक केशव प्रसाद मौर्य से मिलने उनके आवास पहुंचे। केंद्रीय मंत्री

कमलेश पासवान, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान में प्रदेश सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद, राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, राज्यमंत्री मनोहर लाल उर्प मन्नू कोरी, राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान व पूर्व मंत्री धर्मसिंह सैनी ने केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात की है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय गोंड, विधायक पीएन पाठक, विधायक शलभमणि त्रिपाठी, सुरेन्द्र चौरसिया व अन्य विधायकों में डॉ. अमित सिंह चौहान, सुशील शाक्य, रवीन्द्र कुशवाहा, विक्रम सैनी पूर्व सांसद राघव लखन पाल, विधायक विकास गुप्ता, सुभाष त्रिपाठी, विधायक पूनम शंखवार, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा व लालजी प्रसाद निर्मल भी सात कालिदास मार्ग स्थित उप मुख्यमंत्री के आवास पर पहुंचकर भेंट की है। 14 जुलाई को संपन्न भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भी केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश पदाधिकारियों की दिल में जगह बनाने में कामयाब रहे। यही कारण रहा कि उनके भाषण के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। प्रदेश कार्यसमिति में भाषण के दौरान केशव ने कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है। हम कार्यकर्ता पहले हैं उपमुख्यमंत्री बाद में। सात कालिदास मार्ग का दरवाजा कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा खुला है। जनता की समस्याओं का समाधान-हमारी सरकार की प्रथम प्राथमिकता। केशव प्रसाद मौर्य सात कालिदास मार्ग स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये लोगों की शिकायतों की जनसुनवाई कर उनका समाधान भी उप मुख्यमंत्री कराते हैं। यही नहीं सरकार से जुड़े छोटे-मोटे काम के लिए संघ से जुड़े विविध संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी सात कालिदास मार्ग पर ही पहुंचते हैं।

पांच हजार कांस्टेबलों की भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा शुरू

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से पूरा करवाने के साथ अभ्यर्थियों की संतुष्टि आयोग की प्राथमिकता है। इस कड़ी में मंगलवार को ग्रुप सी की संयुक्त पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण हरियाणा पुलिस में सिपाही सामान्य ड्यूटी के लिए विकल्प चुनने वाल उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आरंभ हो गई है। यह 23 जुलाई तक चलेगी। हिम्मत सिंह ने बताया कि उम्मीदवारों की संतुष्टि के लिए 20 डिजिटल मापदंड स्टैंड लगाए गए हैं। हर स्टैंड पर खेल विभाग के कोच व अन्य विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई गई है। डिजिटल स्टैंड पर अभ्यर्थी अपने कद, काठी व वजन की जानकारी स्वयं डिस्पले बोर्ड पर देख सकते है। उन्होंने बताया कि आज पहला स्लॉट प्रात॰ 6.30 बजे आरंभ हुआ। दूसरा स्लॉट 8.30 बजे, तीसरा 10.30 बजे व चौथा 12.30 बजे का निर्धारित है। आज पहले दिन दो हजार उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा ली गई है। उन्होंने बताया कि बुधवार को तीन हजार उम्मीदवार और 18 से 23 जुलाई तक पांच - पांच उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा ली जाएगी। पहले चरण में पांच हजार पुलिस सिपाहियों के पदों की तुलना में छह गुना अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षा के लिए बुलाया गया है। शेष उम्मीदवारों का सूची बाद में जारी की जाएगी, जो आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। चेयरमैन ने बताया कि जैसे ही अभ्यर्थी अपनी बारी के बाद नापतोल के लिए प्रवेश करता है, उसकी बायोमेट्रिक माध्यम से आई स्कैन व वीडियोग्राफी की जाती है और यह प्रक्रिया डिजिटल डिस्पले के बाद बाहर निकलते समय भी की जाती है।

सनातनियों को उकसाने का न करें कार्य, तौकीर रजा के बयान पर हिंयुवा ने जताई नाराजगी

मीरजापुर (हिंस)। हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को नगर के पैरिया टोला में विरोध-प्रदर्शन कर मौलाना तौकीर रजा के बयान पर कड़ी नाराजगी जताई। तौकीर रजा ने कहा है कि बरेली में 21 जुलाई को हिंदू लड़के-लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाने के बाद कलमा और नमाज पढ़वाया जाएगा। निवर्तमान जिला संयोजक अमित श्रीनेत ने कहा कि सनातनियों को उकसाने का कार्य न करें। तौकीर रजा ने एक विशेष धर्म के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य किया गया है। इससे आपसी सौहार्द भी बिगड़ सकता है। हिंयुवा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री से मौलाना के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान सुनील सिंह, अजय पांडेय, धीरज साहू, अभिषेक केशरी, विक्की जायसवाल, शिवम् अग्रहरी, चंदन यादव, मोहित यादव, संतोष शर्मा, मोहित केसरी मौजूद थे।

बिहार में प्रत्येक दिन अपराधियों का नंगा नाच जारी : राजद

गोपालगंज (हिंस)। बिहार में डबल इंजन की सरकार का इकबाल खत्म हो गया है तथा यहां अपराधियों की समानांतर सरकार चल रही है। वीआईपी संरक्षक मुकेश साहनी के पिता की निर्मम हत्या इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उक्त बातें राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा राजद के वरिष्ठ नेता रेयाजुल हक राजू ने आज कही। राजू ने कहा कि बिहार में प्रत्येक दिन अपराधियों का नंगा नाच जारी है और सरकार आंख बंद कर अपराधियों के सामने नतमस्तक है। उन्होंने कहा कि मुकेश साहनी के पिता की हत्या की निष्पक्ष जांच कर यथाशीघ्र अपराधियों की गिरफ्तारी नही हुई तो राजद पूरे बिहार में एक बड़ा आंदोलन करेगा। राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने मुकेश साहनी के पिता की निर्मम हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अपराध को रोक पाने में सरकार पूरी तरह विफल है तथा अपराधियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि एक पूर्व मंत्री और लोकप्रिय नेता के पिता की हत्या के बाद डबल इंजन के लोगों को सरकार में रहने का अधिकार नही है, उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने कहा कि यह हत्या बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। उन्होंने कहा की जब बिहार में नेताओं के परिवार की ये हालत है तो इसका मतलब साफ है कि आम आदमी ईश्वर की दया पर निर्भर है।

सड़क हादसे में नवादा के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत, छह घायल

नवादा (हिंस)। बिहार में नवादा जिले में हुए सड़क हादसे में नवादा के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत और छह अन्य घायल हो गए। जिले के रोह थाना क्षेत्र के हमीदपुर बारा से एक परिवार मंगलवार तड़के स्कार्पियो से मुंडन कराने पटना जिले के बाढ़ उमानाथ जा रहा था। रास्ते में यह लोग हादसे का शिकार हो गए। बताया गया है कि बाढ़ बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मानसरोवर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने स्कार्पियो को टक्कर मार दी। इससे स्कार्पियो सवार नवादा जिले के हमीदपुर बारा गांव के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई है और 6 लोग घायल हो गए। अनहोनी सूचना आते ही गांव में कोहराम मच गया।

संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक

समस्तीपुर (हिंस)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मंगलवार को की गई। बैठक में प्रमुख रूप से बाढ़ संभावित क्षेत्रों में ऊंचे आश्रय स्थलों का चयन, बाढ़ की स्थिति में नाव की उपलब्धता एवं निजी नाविकों के साथ निबंधन की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त बाढ़ आश्रय स्थलों की भौतिक स्थिति की जांच कर आवश्यकता अनुसार उनकी मरम्मती करने, राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने, पॉलिथीन शीट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने पूल और नालों की साफ सफाई करने, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ जिला अस्पताल में भी आकस्मिक की स्थिति से निपटने हेतु सभी प्रकार की दवाओं की उपलब्धता को लेकर निर्देश दिया गया। डीएम ने एसडीआरएफ के द्वारा की गई सभी

प्रकार की तैयारियों, सड़कों की मरम्मत्ती, नियंत्रण कक्ष की स्थापना, मवेशियों हेतु चारे की उपलब्धता एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई एवं सभी संबंधित पदाधिकारी को समय पूर्व सभी तैयारी पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में नगर आयुक्त समस्तीपुर, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन समस्तीपुर, सिविल सर्जन समस्तीपुर, अनुमंडल पदाधिकारी समस्तीपुर एवं अन्य विभागों के पदाधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में तथा क्षेत्रीय पदाधिकारी अपने संबंधित अनुमंडल प्रखंड एवं अंचलों से जुड़े हुए थे।

ऑनर कंपनी ने लांच किए दो टैबलेट, दोनों में मिलती है 10,050 एमएएच की धाकड़ बैटरी

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी ऑनर ने मैजिकपैड 2 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने टैबलेट ऑनर पैड 9 प्रो की भी पेशकश की है। दोनों टैबलेट मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं, जो एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड है और 13 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरे से लैस हैं।

लेटेस्ट मैजिकपैड 2 में स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 3 चिपसेट मिलता है और इसमें ओलेड डिस्प्ले भी है, जबकि ऑनर पैड 9 प्रो मीडियाटेक डाइमेंशन 8100 एसओसी पर काम करता है और ये एक एलसीडी स्क्रीन स्पोर्ट के साथ आता है। ऑनर मैजिकपैड 2 और पैड 9 प्रो दोनों एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं। मैजिकपैड 2 में 12.3 इंच 1,920गुणा3,000-पिक्सेल ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जबकि पैड 9 प्रो में 12.1-इंच 1,600गुणा2,560-पिक्सेल टीएफटी एलसीडी है।

इनकी स्क्रीन की 144एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आती हैं।कंपनी ने मैजिकपैड 2 को स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट के साथ 16जीबी तक रैम और 1टीबी तक स्टोरेज से लैस किया है, जबकि हॉनर पेड 9 प्रो डाइमेंशन 8100 एसओसी के साथ 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक स्टोरेज से लैस है। कैमरे के तौर पर इन दोनों टैब में ऑटोफोकस और एफ/2.0 अपर्चर के साथ 13-मेगापिक्सल का प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है।

ऑनर का कहना है कि दोनों टैब वायफाय 6 कनेक्टिविटी को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 ब्लूटूथ 5.3 और पैड 9 प्रो ब्लूटूथ 5.2 डिवाइस को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 को 35 वॉट (मैजिकपैड 2) और पैड 9 प्रो को 66 वॉट चार्जिंग स्पीड समर्थन के साथ 10,050 एमएएच की बैटरी दी जाती हैं। ऑनर मैजिकपैड का साइज़ 274.5गुणा180.5गुणा5.8एमएम और वजन 555 ग्राम है, जबकि पैड 9 प्रो का साइज़ 277गुणा178.95गुणा6.64एमएम और वजन 589 ग्राम है। मैजिकपैड 2 में 9-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा है, जबकि पैड 9 प्रो में 5-मेगापिक्सल का फ्रंट-फेसिंग कैमरा है। इन दोनों में एक फिक्स्ड-फोकस लेंस है, और एफ/2.2 अपर्चर है।

न्यूज़ ब्रीफ

देश में अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री 61.9 लाख से ज्यादा गाड़ियां, 09 प्रतिशत तेजी देखने को मिली

नई दिल्ली । देश में वाहनों की खुदरा बिक्री चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 61,91,225 इकाई पहुंच गई। ट्रैक्टर को छोड़कर सभी श्रेणी के वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। 2023-24 की समान तिमाही में कुल 56,59,060 गाड़ियां बिकी थीं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी 2.53 फीसदी बढ़कर 9,20,047 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में कुल 8,97,361 यात्री वाहन बिके थे। दोपहिया वाहनों में 12.56 फीसदी उछाल दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल-जून में 12.56 फीसदी बढ़कर 45,54,255 इकाई पहुंच गई। इस अवधि में कुल 2,72,691 तिपहिया वाहन बिके, जो सालाना आधार पर 11.36 फीसदी ज्यादा है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली बढ़कर 2,46,513 इकाई पहुंच गई। शोरूम आने वालों में 18 प्रतिशत गिरावट फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, अत्यधिक गर्मी के कारण मई में शोरूम में आने वाले लोगों की संख्या में 18 फीसदी की कमी आई। मजबूत बुकिंग व ग्राहक संख्या में वृद्धि के बावजूद उच्च प्रतिस्पर्धा, अतिरिक्त आपूर्ति और छूट ने यात्री वाहन श्रेणी के लिए लगातार चुनौतियां पेश कीं। चुनाव, अत्यधिक गर्मी और बाजार में नकदी के मुद्दों से भी बिक्री पर प्रतिकूल असर पड़ा। ट्रैक्टर बिक्री में 12 फीसदी की कमी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री 12.44 फीसदी घटकर 1,97,719 इकाईरह गई।एक साल पहले की समान अवधि में 2,25,818 ट्रैक्टर बिके थे।

कर्ज न चुकाने वालों को डिफॉल्टर घोषित करने से पहले दें पर्याप्त समय, बैंकों के लिए अहम दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक और कर्ज देने वाले संस्थानों से कहा है कि कर्ज लेकर नहीं चुकाने वालों के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले पर्याप्त समय दें। ऐसे खाताधारकों का पहले जवाब सुनें। साथ ही ग्राहकों को धोखाधड़ी की पूरी जानकारी के साथ कारण बताओ नोटिस भी जारी करना होगा। आरबीआई ने जारी सर्कुलर में कहा, डिफॉल्टर व्यक्तियों या संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए कम से कम 21 दिन का समय देना चाहिए। केंद्रीय बैंक के मौजूदा नियमों के संशोधन में पिछले साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि डिफॉल्टर को सुनवाई का अधिकार दिए बिना बैंक किसी खाते को एकतरफा धोखाधड़ी घोषित नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा था, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की मांग है कि उधारकर्ताओं को फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्ष को समझाने का अवसर देते हुए एक नोटिस देना चाहिए। उनके खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले बैंकों या वित्तीय संस्थानों के सामने खुद का प्रतिनिधित्व करने की मंजूरी दी जानी चाहिए।

एपल की भारत में रिकॉर्ड बिक्री: आठ अरब स्ध के आईफोन व अन्य उत्पाद बिके; नोएडा-पुणे-बंगलूरू में स्टोर की योजना

नई दिल्ली। चीन में चुनौतियों का सामना कर रही दिग्गज टेक कंपनी एपल की भारत में कुल बिक्री 2023-24 में 33 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर (67,000 करोड़ रुपये) की नईऊंचाईपर पहुंच गई।इस बिक्री में आधा से अधिक योगदान आईफोन का रहा।2022-23 में एपल ने भारत में कुल 6 अरब डॉलर के उत्पाद बेचे थे। उधर, मॉर्गन स्टेनली के 2023 के सर्वे के अनुसार, जर्मनी, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों को पीछे छोड़ते हुए 92 लाख शिपमेंट के साथ भारत आईफोन निर्यात में पांचवें सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है। एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही में कहा था, भारत में आईफोन की बिक्री की वृद्धि दर 10 फीसदी से ज्यादा रही है। नोएडा पुणे व बंगलूरू में खुलेंगे खुदरा स्टोर एपल के भारत में फिलहाल दिल्ली और मुंबई में खुदरा स्टोर हैं। अब यह नोएडा, पुणे और बंगलूरू में भी स्टोर खोलने की योजना बना रही है।

बजट से क्या चाहते हैं केंद्रीय कर्मचारी आठवां वेतन आयोग कब लागू होगा

नई दिल्ली । बजट 2024 में अब कुछ दिन ही शेष रह गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में बजट पेश करेंगी। इस बीच विभिन्न मंचों के माध्यम से केंद्रीय कर्मचारियों ने भी अपनी मांगें उठाई है। सरकार से आठवां वेतन आयोग बनाने की भी मांग उठी है। इस संबंध में केंद्र को एक और प्रस्ताव मिला है। कई कर्मचारी समितियों ने बार-बार केंद्र सरकार से केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के मूल वेतन, भत्ते, पेंशन व अन्य लाभों को संशोधित करने के लिए आठवां वेतन आयोग बनाने का आग्रह किया है।

केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और कर्मचारी परिसंघ के महासचिव एसबी यादव ने भारत सरकार के कैबिनेट सचिव को लिखे पत्र में आठवें वेतन आयोग के गठन, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने, 18 महीने के महंगाई भत्ते को जारी करने और कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देने की मांग की है। यह कदम संयुक्त सलाहकार मशीनरी (जेसीएम) की राष्ट्रीय परिषद (स्टाफ साइड) द्वारा उठाई गई इसी तरह की मांग के बाद आई है। जिसने पहले 8 वें वेतन आयोग की आवश्यकता और इसके गठन पर जोर दिया था।

आठवां वेतन आयोग कब देय है

केंद्रीय वेतन आयोगों का गठन आमतौर पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और लाभों की समीक्षा और संशोधन की सिफारिश करने के लिए किया जाता है। ये सिफारिशें मुद्रास्फीति और अन्य बाहरी कारकों को ध्यान में रखकर की जाती हैं। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 28 फरवरी, 2014 को किया था। समिति ने 19 नवंबर, 2015 को इस संबंध में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी और सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से प्रभावी हुईं थीं। इसी पैटर्न पर सरकार चली तो अगला वेतन आयोग- यानी आठवां केंद्रीय वेतन आयोग- आमतौर पर एक जनवरी 2026 से लागू किया जा सकता है। हालांकि, केंद्र सरकार ने अभी तक इस मोर्चे पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। एक करोड़ से अधिक केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी सरकार की ओर से आठवें वेतन आयोग के गठन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या बजट 2024 में 8वें वेतन आयोग की घोषणा होगी

क्या बजट 2024 में 8वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा होगी इस सवाल के जवाब में सिंघानिया एंड कंपनी की पार्टनर रितिका नय्यर का कहना है, चूंकि यह बजट पीएम मोदी की सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए लौटने के बाद पहला है और वेतन आयोग की समयसीमा भी निकट आ रही है, इसलिए मध्यम वर्ग के राजकोषीय हित पर कुछ आवश्यक ध्यान केंद्रित करने के लिए सरकार कम से कम इस दिशा में अपनी तैयारी शुरू कर सकती है। आठवें वेतन आयोग के आने से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है, लेकिन इससे सरकारी वित्त पर भी दबाव बढ़ेगा। कर्मचारी संगठन 8वें वेतन आयोग की जोरदार वकालत कर रहे हैं। लेकिन अभी भी यह तय नहीं है कि आगामी बजट में सरकार नए वेतन आयोग के संबंध में एक औपचारिक घोषणा करेगी। अतीत में भी, आमतौर पर नए वेतन आयोग की घोषणा और कार्यान्वयन के बीच कई वर्षों का अंतर होता है। इस संबधं में एक अंतिम निर्णय देश की आर्थिक स्थिति और सरकार की प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है।

बजट से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों व पेंशनभोगियों की अन्य मांगें क्या हैं

1) एनपीएस (नई पेंशन स्कीम) को समाप्त किया जाए और सभी कर्मचारियों के लिए ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) को बहाल करें।

2) कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को कोविड-19 महामारी के दौरान रोके गए 18 महीने के डीए-डीआर को जारी किया जाए।

3) अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियों पर 5 प्रतिशत की सीमा को हटा दिया जाए, और मृतक कर्मचारी के सभी वार्डों/आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियां प्रदान की जाएं।

4) सभी विभागों में सभी संवर्गों के रिक्त पदों को भरा जाए, और सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग और ठेकेदारी को रोका जाएगा

5) जेसीएम तंत्र के प्रावधानों के अनुसार संघों/परिसंघों के लोकतांत्रिक कामकाज को सुनिश्चित किया जाए जैसे

क) लंबित संघों/परिसंघों को मान्यता प्रदान करना, पोस्टल ग्रेड सी यूनियन, एनएफपीई, इसरोएसए के मान्यता रद्द आदेशों को वापस लेना।

ख) सेवा संघों/परिसंघों पर नियम 151 (सी) लागू करना बंद करना।

6) नैमित्तिक, संविदात्मक श्रमिकों और जीडीएस कर्मचारियों को नियमित किया जाए। स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान दर्जा दिया जाए।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी सोने का भाव 73,600, चांदी लगभग 92,850 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा गिरावट के साथ खुले। हालांकि बाद में भाव में तेजी देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 186 रुपये की तेजी के साथ 73,657 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 114 रुपये की तेजी के साथ 73,585 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 201 रुपये की तेजी के साथ 92,773 रुपये पर खुला।

इस समय यह 298 रुपये की तेजी के साथ 92,870 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ने लगे। कॉमेक्स पर सोना 2427.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,428.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 6.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,435 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.93 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 30.93 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 31.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

दो-दो डिस्प्ले के साथ आता है ये खास फोन

नई दिल्ली। इलैक्ट्रानिक्स प्रोडक्ट का निर्माण करने वाली कंपनी ऑनर द्वारा मैजिक वीएस 3को लॉन्च कर दिया गया है। यह लेटेस्ट बुक-स्टाइल फोल्डेबल स्मार्टफोन है। इस फोन को मोड़ने पर इसकी मोटाई 9.7एमएम और खोलने पर 4.65एमएम तक हो जाती है। ये फोन स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 एसओसी से लैस है और तीन कलर ऑप्शन पेश किया गया है। ऑनर मैजिक वीएस 3 स्लिम प्रोफाइल के साथ आता है। ऑनर मैजिक वीएस 3में पेरिस्कोप सेंसर सहित ट्रिपल रियर कैमरे दिए गए हैं, और ये 66वॉट चार्जिंग और 50वॉट वायरलेस चार्जिंग के साथ 5,000एमएएच की बैटरी से लैस है। हॉनर मैजिक वीएस 3 एंड्रॉयड 14 के मैजिकओएस 8.0.1 के साथ काम करता है।इस फोन में 7.92-इंच का प्राइमरी (2,344गुणा2,156 पिक्सल) ओलेड डिस्प्ले और 2,500 निट्स के पीक ब्राइटनेस के साथ 6.43-इंच (1,060गुणा 2,376 पिक्सल) ओलेड कवर डिस्प्ले दिया गया है। दोनों एल एलटीपीओ स्क्रीन स्टाइलस के माध्यम से इनपुट का सपोर्ट करते हैं और 3840 एचझेड पीडब्ल्यूएम डिमिंग और 120एचझेड तक रिफ्रेश रेट के साथ आते हैं।

इसकी मेन स्क्रीन का अस्पेक्ट रेशियो 9.78:9 प्रतिशत और कवर स्क्रीन 20:9प्रतिशत स्क्रीन रेशियो के साथ आता है। ये फोन 16जीबी रैम और 1टीबी तक स्टोरेज के साथ ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 एसओसी से लैस है। इसमें टाइटेनियम हिंज है और यह ऑनर की आरएफ चिप से लैस है। इसकी कवर स्क्रीन और मुख्य स्क्रीन में सेल्फी के लिए 16-मेगापिक्सल सेंसर शामिल हैं। पावर के लिए ऑनर मैजिक वीएस 3में 66वॉट वायर्ड और 50वॉट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000एमएएच की बैटरी दी जाती है। ऑनर मैजिक वीएस 3 में कनेक्टिविटी ऑप्शन के तौर पर 5जी, वायफाय 802.11 ए/बी/जी/एन/एसी/एएक्स/बी, ब्लूटूथ 5.3, एनएफसी,जीपीएस, बैडोयू ग्लोनास, गैलीलियो, ए-जीपीएस, ओटीजीऔर ए शामिल हैं।

वनप्लस 12आर नए सनसेट ड्यून कलर ऑप्शन में पेश

नई दिल्ली । भारत में वनप्लस 12आर को नए सनसेट ड्यून कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। हैंडसेट स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 चिपसेट, 6.78 इंच की अमोलेड डिस्प्ले और 5,500एमएएच की बैटरी के साथ आता है।वनप्लस 12आर सनसेट ड्यून कलर 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट में उपलब्ध होगा और इसकी कीमत 42,999 रुपये रखी गई है।

ग्राहक इसे 20 जुलाई से अमेजन और वनप्लस की वेबसाइट से खरीद सकेंगे। आईसीआईसीआई बैंक और वनकार्ड क्रेडिट कार्ड ईएमआई ट्रांजैक्शन पर 3,000 रुपये का इंस्टैंट डिस्काउंट ग्राहकों को मिलेगा। इसके अलावा 5,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस भी मिलेगा। कंपनी वनप्लस 12आर सनसेट ड्यून कलर के साथ वनप्लस बड्स 3 मुफ्त दे रही है। ग्राहक 9 महीने तक नो-कॉस्ट ईएमआई का भी फायदा उठा सकते हैं।

वनप्लस 12आर में 6.78 इंच का अमोलेड डिस्प्ले है जिसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 2780 गुणा 1264 रेजोल्यूशन, डॉल्बी विजन, एचडीआर 10प्लस, 4500 निट्स पीक ब्राइटनेस

और गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 प्रोटेक्शन मौजूद है। हैंडसेट में क्वालकॉम स्नैपड्रेगन8 जेन 2 दिया गया है, जिसे ग्राफिक्स के लिए अड्रेनो जीपीयू के साथ जोड़ा गया है। वनप्लस 12आरएंड्रॉयड 14-बेस्ड आक्सीजन ओएस कस्टम स्किन पर चलता है। हैंडसेट वाटर और डस्ट रेसिस्टेंस के लिए रेटिंग, स्टीरियो स्पीकर, डॉल्बी एटमॉस और एनएफसी से लैस है। वनप्लस 12आर में सोनी आईएमएक्स90 50एमपी प्राइमरी सेंसर, 112-डिग्री 8एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 2एमपी मैक्रो कैमरा है। सेल्फी के लिए 16एमपी का फ्रंट कैमरा फोन में दिया गया है। वनप्लस 12आर में 100वॉट सुपरवॉक चार्जिंग के साथ 5,500 एमएएच की बैटरी है। वनप्लस 12आर का मुकाबला आईक्यूओ नीयो 9 प्रो, रियलमी जीटी 6 और हाल ही में लॉन्च हुए ओप्पो रेनो 12 प्रो से है।ये फोन मौजूदा कूल ब्लू और आयरन ग्रे कलर ऑप्शन के साथ शामिल रहेगा। नए कलर ऑप्शन के अलावा, वनप्लस 12आर में वही स्पेसिफिकेशन्स, कीमत और डिजाइन बरकरार रहेंगे।

चुनौतियों के बावजूद 2.56 फीसदी ज्यादा निर्यात, व्यापार घाटा भी बढ़ा; आयात 5 प्रतिशत बढ़कर ़56.18 अरब पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश से वस्तुओं का निर्यात जून, 2024 में सालाना आधार पर 2.56 फीसदी बढ़कर 35.2 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में 34.32 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया था। व्यापार घाटा भी पिछले माह 9.32 फीसदी बढ़कर 20.98 अरब डॉलर पहुंच गया। जून, 2023 में यह 19.19 अरब डॉलर था। मई में देश का व्यापार घाटा सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक, कच्चे तेल, दालों और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की खरीदारी बढ़ने से जून में वस्तुओं का आयात भी करीब 5 फीसदी बढ़कर 56.18 अरब डॉलर पहुंच गया। जून, 2023 में 53.51 अरब डॉलर का आयात किया गया था।

सेवाओं का निर्यात भी जून में 27.79 फीसदी बढ़कर 30.27 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में 27.79 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया था। सेवा आयात 15.61 अरब डॉलर से 10.76 फीसदी बढ़कर 17.29 अरब डॉलर पहुंच गया।

कॉफी निर्यात में 70 फीसदी वृद्धि

कॉफी का निर्यात पिछले महीने सालाना आधार पर 70.02 फीसदी बढ़कर 0.20 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात भी 16.91 फीसदी बढ़कर 2.82 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान 2.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया गया, जो सालाना आधार पर 9.93 फीसदी ज्यादा है।

तंबाकू निर्यात में 37.71 फीसदी और इंजीनियरिंग उत्पादों में 10.27 फीसदी की तेजी रही।

चालू वित्त वर्ष में 800 डॉलर के पार पहुंचेगा निर्यात : सचिव

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश से करीब 200 अरब डॉलर की वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात किया गया है। अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात चालू वित्त वर्ष में निश्चित रूप से 800 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा।

बर्थवाल ने कहा, वाणिज्य मंत्रालय निर्यात को बढ़ावा देने के लिए छह प्रमुख क्षेत्रों और 20 देशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, कपड़ा-परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा, रसायन-प्लास्टिक और कृषि शामिल हैं।

भारत ने जिन सात देशों को सबसे ज्यादा निर्यात किया, उनमें अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, मलयेशिया, बांग्लादेश, तंजानिया, नीदरलैंड और सिंगापुर शामिल हैं।

स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली ।
स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया के जरिए की संन्यास की घोषणा

शकीरी ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने कहा कि 14 साल की यात्रा के बाद राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का उनका समय आ गया है। शकीरी ने लिखा, सात टूर्नामेंट, कई गोल, स्विस राष्ट्रीय टीम के साथ 14 साल और अविस्मरणीय क्षण। राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का समय आ गया है। शानदार यादें बनी हुई हैं और मैं आप सभी से कहता हूं। धन्यवाद।

जेरदान का करियर

मिडफील्डर ने 2010 में स्विट्जरलैंड के लिए अपना पहला मैच खेला था। जेरदान ने अपने करियर में 125 मैच खेले और 32 गोल किए। उन्होंने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 2010, 2014, 2018 और 2022 संस्करणों में स्विस पक्ष के साथ चार फीफा विश्व कप भी खेले हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता ने चोट की चिंताओं के बावजूद मॉरिस, रिचर्डसन का समर्थन किया

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने तेज गेंदबाज लांस मॉरिस और झाई रिचर्डसन के लिए कई योजनाएं बनाई हैं, जो ब्रिटेन के सफ़ेद-बॉल दौरे से चूक गए थे। इस साल की शुरुआत में दोनों को क्रिकेट

ऑस्ट्रेलिया ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया था। मॉरिस अपनी पीठ की चोट के कारण मैदान से दूर थे और वर्तमान में वे पुनर्वास से गुजर रहे हैं। यह 2022-2023 सीजन में एशेज यात्रा से बाहर होने के बाद हुई घटना की पुनरावृत्ति है। इस तेज गेंदबाज को अपने दूसरे वनडे मैच में साइड स्ट्रेन हुआ था, जिससे वो आगे नहीं खेल पाए थे। उन्हें मौजूदा मेजर लीग क्रिकेट में सिएटल ओर्कास के लिए खेलना था, लेकिन चोटिल होने के कारण उन्हें इस टूर्नामेंट के साथ-साथ स्कॉटलैंड और इंग्लैंड दौरे से भी बाहर होना पड़ा। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली के हवाले से कहा, लांस अभी भी खेल में वापसी करना चाहते हैं और चोट से उबर रहे हैं। मुझे पता है कि वह अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं। वह गर्मियों में कमबैक करेंगे और मैदान पर उनको देखना वाकई रोमांचक होगा। झाई भी अब फिट हैं और फिर से मैच के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें गर्मियों में फिर से मौके मिलेंगे। उनके और मॉरिस दोनों के लिए मुझे लगता है कि यह सीजन में फिट रहने और फिर उम्मीद है कि वे ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेल पाएंगे। इसमें से कुछ घरेलू मैच होंगे, उम्मीद है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय अवसर और ऑस्ट्रेलिया ए के अवसर होंगे, फिर मुझे लगता है कि हम उन्हें लंबी अवधि में सफलता के लिए तैयार करेंगे। झाई भी अब फिट हैं और फिर से मैच के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें गर्मियों में फिर से मौके मिलेंगे। उनके और मॉरिस दोनों के लिए मुझे लगता है कि यह सीजन में फिट रहने और फिर उम्मीद है कि वे ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेल पाएंगे।

गंभीर के मुख्य कोच बनने से भारतीय टीम और बेहतर होगी : स्टेन

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि गौतम गंभीर का मुख्य कोच बननाभारतीय क्रिकेट टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। स्टेन के अनुसार गंभीर के आक्रामक रवैये से खिलाड़ी भी बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित होंगे। स्टेन ने कहा, मैं गंभीर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनकी आक्रामकता बहुत पसंद है। वह उन कुछ भारतीयों में से एक है जिनके खिलाफ मैंने खेला है और जो आगे बढ़कर जवाबी हमला करते हैं, और मुझे यही रवैया पसंद है। मुझे लगता है कि वह विराट कोहली सहित अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में इसी रवैये को लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा, भारत के अलावा विश्व क्रिकेट में हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो ज्यादा आक्रामक हों और विरोधी टीम के लिए खेल को थोड़ा ज्यादा कठिनल बनाये। हम सभी लीग में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, और हम काफी मिलनसार हैं और दोस्त बन जाते हैं। मुझे यह पसंद है कि वह मैदान पर तो बहुत आक्रामक है पर मैदान के बाहर बेहद अच्छे व्यक्ति हैं। वह एक समझदार, बहुत ही चतुर क्रिकेटर हैं और उनके पास बहुत ही अच्छा क्रिकेट दिमाग है। इसलिए मुझे लगता है कि इस रवैये से वह कोच के तौर पर और भी सफल होंगे। स्टेन के अलावा पूर्व क्रिकेटर जैक कालिस भी गंभीर की आक्रामक प्रकृति से प्रभावित हैं। कैलिस ने कहा, गंभीर को कोचिंग के क्षेत्र में आते देखना बहुत अच्छा है। उनके पास क्रिकेट के बारे में बहुत अच्छी समझ है। वह कुछ जोश भरेंगे और आक्रामक तरीके से खेलना पसंद करते हैं। मुझे लगता है कि वह खेल में कुछ नयापन लाएंगे और खिलाड़ी उनसे बहुत कुछ सीखेंगे। उनके पास जोड़ने के लिए बहुत कुछ है और वह भारतीय टीम में अहम योगदान देंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, हमारे खिलाफ ज्यादा नहीं, लेकिन मुझे भरोसा है कि वह शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार हैं अमित पंघाल

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं, उनसे पदक की उम्मीदें देश को रहेगी। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिला आसान ड्रॉ, इस वरीयता के साथ पदक पर दांव लगाने उतरेंगे

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन के ड्रॉ कुछ दिन पहले निकले थे, लेकिन उसमें पुरुष डबल्स के ड्रॉ की घोषणा नहीं हुई थी। अब 26 जुलाई से शुरू हो रहे इन खेलों के लिए डबल्स वर्ग के ड्रॉ की घोषणा भी हो गई है और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी को अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है।

सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स के ड्रॉ हुए थे स्थगित

ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरुआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ग्रुप-सी में

स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू-प्रणय को मिला था आसान ग्रुप

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली थी। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई थी। वहीं, विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप में जगह मिली थी।

नेशनल डायरेक्ट वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में म.प्र. की महिला टीम बनी विजेता

भोपाल । तृतीय राष्ट्रीय डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा भोपाल के बोनी फोई स्कूल के इंडोर ग्राउंड में किया गया। विभिन्न प्रदेशों से आए लगभग 300 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से प्रदेश वासियों का दिल जीत लिया। महिला वर्ग में फाइनल के रोमांचक मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम ने पिछली बार की चैम्पियन दिल्ली को हराकर खिताब अपने नाम किया। एवं इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विजेता बनकर अपने प्रदेश का गौरव बढ़ाया विजेता मध्यप्रदेश टीम को ट्रॉफी के साथ नकद पुरुस्कार से भी सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश टीम की स्टार खिलाड़ी कोयना दीक्षित को हीरो ऑफ द टूर्नामेंट एवं रोनक हाशमी को बेस्ट नेटर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। विजेता टीम को एसोसिएशन इण्डिया के चेयरमैन अफ़रोज़ शाह खान, संरक्षक सुबोध श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम भार्गव, महासचिव रोहित सिंह, ज्वाइंट सेक्रेट्री फरहान उद्दीन, महिला टीम की मुख्य कोच हेमलता छतवानी ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। साथ ही सहयोगियों, साथियों, प्रायोजकों एवं समस्त खिलाड़ियों को इस सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

पाकिस्तान के युवा लड़के ने जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन की हूबहू नकल की, महान वसीम अकरम बोले- वाह! दिन बन गया

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम एक युवा लड़के का वीडियो देखकर बहुत प्रभावित हुए। बता दें कि पाकिस्तान के एक युवा लड़के के वीडियो ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। वीडियो में नजर आ रहा है कि पाकिस्तान के युवा लड़के ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन की हूबहू नकल की। इस वीडियो में युवा लड़के ने सटीक लाइन लेंथ बरकरार रखते हुए चार गेंदें डाली, जिस पर बल्लेबाज परेशान नजर आया। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। स्विंग के सुल्तान के नाम से लोकप्रिय वसीम अकरम ने युवा गेंदबाज के वीडियो पर जोरदार रिएक्शन दिया है। अकरम ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस वीडियो को रीट्वीट करते हुए कैप्शन लिखा, वाह जीत वाह, देखें उस एक्शन और गेंद पर नियंत्रण को, जो एकदम महान जसप्रीत बुमराह की तरह है। बुमराह का धमाका बता दें कि जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में संपन्न टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन करके भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 8 मैचों में 15 विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने अपने ओवर के बाद मैच का रुख बदल दिया था। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट चटकाए थे। वसीम को बुमराह हैं पसंद पता हो कि वसीम अकरम को जसप्रीत बुमराह बेहद पसंद हैं, जो पहले भी भारतीय पेसर की तारीफ कर चुके हैं। अकरम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान जसप्रीत बुमराह को संपूर्ण गेंदबाज करार देते हुए कहा कि वो किसी भी स्थिति में मैच का रुख बदल सकते हैं। अकरम ने कहा था, जसप्रीत बुमराह इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। सीढ़ी में सबसे ऊपर। नियंत्रण, गति, मिश्रण, वो एक संपूर्ण गेंदबाज हैं। उन्हें देखकर मजा आता है। नई गेंदबाज के साथ इस तरह की पिच पर गति, उछाला, रन-अप, वो निश्चित ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

मसूद को तीनों प्रारूपों में कप्तान बनायें : सलमान बट

लाहौर ।
पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलमान बट ने कहा है कि शान मसूद को टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों के मैचों की कप्तानी भी दे देनी चाहिये। अभी बाबर आजम एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान हैं। बट ने कहा है कि जिस प्रकार से टीम का प्रदर्शन एकदिवसीय विश्वकप में खराब रहा है। उसके बाद टीम की कप्तानी में बदलाव जरुरी है। बट ने कप्तानी के लिए शाहीन शाह अफरीदी, विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और पूर्व टी20 उप-कप्तान शादाब खान का नाम नहीं लेते हुए मसूद को ही बेहतर विकल्प बताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि कप्तान टीम को आगे ले जाने में पूरी तरह से असफल रहा है। बट ने कहा, कुछ ऐसा है जिसके कारण कौशल होने के बाद भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कोई ऐसा है जिसके पास योजना बनाने की कोई रणनीति नहीं है। इसलिए मेरा मानना है कि मसूद को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मसूद को बाबर आजम के 2023 एकदिवसीय विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद टेस्ट का कप्तान बनाया गया था। शान काउंटी चैंपियनशिप में यॉर्कशायर और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स के कप्तान भी हैं। बाबर ने एकदिवसीय विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद सभी प्रारूपों में पाकिस्तान के कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शाहीन अफरीदी ने कुछ समय के लिए टी20आई टीम की कप्तानी की पर न्यूजीलैंड में सीरीज हारने के बाद उन्हें हटा दिया गया। मोहसिन नकवी ने पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद बाबर को फिर से सीमित ओवरों के प्रारुप में कप्तान बनाया था पर टी20 विश्वकप में टीम के खराब पदर्शन के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में बाबर को कप्तानी से हटाने की मांग हो रही है।

विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा की टॉप-10 में वापसी, अलकराज तीसरे स्थान पर जमे हुए हैं

लंदन ।
विंबलडन चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा जारी डब्ल्यूटीए रैंकिंग में फिर से टॉप-10 में शामिल हो गई हैं जबकि महिला सिंगल्स की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग पर पहुंच गईं। क्रेजिकोवा ने फाइनल में पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से पराजित करके अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।
इस जीत से चेक गणराज्य की 28 वर्षीय खिलाड़ी 22 पायदान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गईं। क्रेजिकोवा इससे पहले इस साल 8 जनवरी को 10वें स्थान पर पहुंची थी। सिंगल्स में उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग दो जबकि डबल्स में एक रही है। पाओलिनी इससे पहले सातवें नंबर पर थी और इस तरह से वह दो पायदान आगे बढ़ने में सफल रही।

जानिक सिनर की बादशाहत कायम

पुरुषों के वर्ग में कार्लोस अलकराज लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बनने के बावजूद पहले की तरह तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। जानिक सिनर इस प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए थे, लेकिन इसके बावजूद वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। अलकराज ने फाइनल में नोवाक जोकोविक को 6-2, 6-2, 7-6 (4) से हराया था।
जोकोविक पहले की तरह दूसरे नंबर पर काबिज हैं। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक पहले की तरह शीर्ष पर बनी हुई हैं। विंबलडन में वह तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। उनके बाद कोको गफ, अरीना सबालेंका और एलेना रिबाकिना का नंबर आता है।

भारत को टेबल टेनिस में पहला पदक जीतने की उम्मीद, इन खिलाड़ियों पर रहेगा दारोमदार

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब ज्यादा दिन शेष नहीं रह गए हैं। भारतीय दल से इस बार काफी उम्मीदें हैं और टेबल टेनिस खिलाड़ी भी पदक के लिए पूरा दम लगाने को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। 1988 ओलंपिक में भारत पहली बार टेबल टेनिस में खेलने उतरा था, लेकिन अब तक टीम को इन खेलों में कभी सफलता नहीं मिली है। देश को उम्मीद है कि इस बार टेबल टेनिस में भी भारत पदक का खाता खोलेगा।

पहली बार पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ करेगी शिरकत

ओलंपिक में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ पेरिस ओलंपिक में शिरकत करेंगी। टेबल टेनिस में भारतीय चुनौती की जिम्मेदारी पांचवां ओलंपिक खेलने जा रहे अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के कंधों पर रहेगी। वहीं, विश्व कप 25 श्रीजा अकुला भी कमाल कर सकती हैं। भारत ने इस खेल में कभी पदक नहीं जीता है, लेकिन पेरिस में हिस्सा ले रही टीम अपने दिन किसी भी टीम को हराने में सक्षम है।
श्रीजा अकुला ने बीते महीने ही डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीता था। सऊदी स्मैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली मनिका की विश्व रैंकिंग 28 है। अर्चना कामथ 123वें नंबर पर है, जबकि शरत कमल 40वें, मानव ठक्कर 56वें और हरमीत देसाई 86वें नंबर पर हैं।

जर्मनी में तैयारी कर रही है टीम

भारतीय टीम इस वक्त जर्मनी के सारब्रुकेन में तैयारी कर रही है। टीम के साथ इटली के कोच मासीमो कॉस्टेंटीनी हैं, लेकिन मनिका बत्रा और शरत समेत ज्यादातर खिलाड़ियों ने अपने निजी प्रशिक्षकों को वरीयता दी है।

टेबल टेनिस दल में सबसे ज्यादा सहयोगी स्टाफ

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटी भारतीय टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा संख्या सहयोगी स्टाफ की है। ओलंपिक से पहले तीसरी बार भारत के मुख्य कोच के तौर पर लौटे इटली के मास्सिमो कॉस्टेंटिनी के साथ राष्ट्रीय कोच के तौर पर पूर्व खिलाड़ी सौरव चक्रवर्ती हैं। इसके अलावा सरकार ने टीम के साथ जाने के लिए चार निजी कोचों को मंजूरी दी है क्योंकि महिला टीम की तीनों सदस्य निजी कोच ले जाना चाहती हैं। नौ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ में दो मालिशिये और एक फिजियो भी हैं जबकि छह खिलाड़ी (तीन महिला और तीन पुरुष) टीम में हैं। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ अपने निजी कोच लेकर जाएंगी। तीन सदस्यीय पुरुष टीम में भारत के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल के साथ उनके कोच क्रिस पेइफर होंगे। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर भी टीम में हैं।

टोक्यो ओलंपिक में विवादों में घिरी थी भारतीय टीम

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय टेबल टेनिस टीम विवाद में घिर गई थी जब मनिका ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप राय से मदद लेने से इन्कार कर दिया और बाद में उन पर मैच फिक्सिंग का आरोप भी लगाया था। पेरिस ओलंपिक से पहले सभी निजी कोच पिछले सप्ताह टीम के साथ जर्मनी रवाना हो गए थे। टीम 21 जुलाई को पेरिस के लिए रवाना होगी।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम इस प्रकार है

- **पुरुष:** शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर
- **महिला:** मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अर्चना कामथ
- **रिजर्व:** जी साथियान, अहिका मुखर्जी ।

25 सालों से अंतरिक्ष में है ये नाइजीरियन

आज बड़े बड़े देश अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे है और एलियन की खोज में लगे हुए है, आज यहां ऐसे नाइजीरियन एस्ट्रोनॉट की बात हो रही है जो 25 सालों से अंतरिक्ष में ग्रहों के चक्कर लगा रहा है। जानकारी के लिए बता दें इस एस्ट्रोनॉट का नाम अबाचा टुंडे है, जो सालों पहले यु एस एस आर के साथ सोवियत स्पेस क्राफ्ट में स्पेस गए थे, और अब तक नहीं लौटे और बाकी साथी धरती पर वापस आ गए। पिछले एक हफ्ते में ब्रिटिश वेबसाइट अनरोक पर जो मैसेज आया जिसने सभी को हिला कर रख दिया है , मैसेज में लिखा था की वे अंतरिक्ष में फंस गया है और उसे धरती पर आने के लिए 3 मिलियन की जरूरत है, इस मैसेज के आते ही मानो हड़कम्प सा मच गया और खबर हवा की तरह फैलती चली गई। यु एस एस आर के सगे साथियों ने बताया की हो सकता है टुंडे का 25 साल अंतरिक्ष में रहना एक मिशन का हिस्सा हो,हालांकि की अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। जब से अबाचा टुंडे की अंतरिक्ष में गए है तबसे उनकी सैलरी 15 मिलियन हो चुकी है जो लेगोस नेशनल सेविंग्स एंड ट्रस्ट एसोसिएशन में जा रही है,

प्याज की चाय घटाती है तेजी से वजन

प्याज की चाय वजन कम करने के साथ डायबिटीज को दूर करती है। प्याज की चाय प्याज के छिलके से बनती है। इसमें क्रेरसेटिन नाम का पिग्मेंट होता है जिसके कई सारे फायदे हैं। ये खून का थक्का बनने से रोकता है जिससे हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है। इसके अलावा अगर नींद ना आने की समस्या से परेशान हैं तो प्याज की चाय बहुत फायदा करती है।

नार्कोलेप्सी से जुड़े हैं ये जोखिम

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोगी कभी भी और कहीं भा अचानक से सो जाता है। इस बीमारी में रोगी कभी भी बैठे-बैठे या काम करते हुए सो जाता है, यहां तक कि हंसते या रोते हुए भी। साथ ही रोगी दिन भर उनींदा और थका हुआ रहता है। कितना भी सो लेने के बाद रोगी को लगता है, कि वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी अधिकांशतः 15 से 25 साल की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाती है। नार्कोलेप्सी से कई प्रकार के जोखिम भी जुड़े होते हैं। चलिए जानें नार्कोलेप्सी और इससे जुड़े जोखिम क्या हैं

क्या है नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी के रोगी हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति पैदा होती है। महिलाओं इस बीमारी के लक्षण मरीज में लम्बे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

मोटापा

नार्कोलेप्सी से पीड़ित रोगी के ओवर वेट होने की आशंका सामान्य लोगों से दो गुना तक अधिक होती है। वजन बढ़ाने की ये घटना निष्क्रियता, ज्यादा खाने, हाइपोसर्टेन की कमी या अन्य कारकों के संयोजन से संबंधित हो सकती है। नार्कोलेप्सी के मरीज हमेशा सुस्त रहते हैं। इन रोगियों में मनासिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिस्ऑर्डर और सीजोफ्रेनिया भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए और समय रहते चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए।

नार्कोलेप्सी के जोखिम कारक

बाहरी व निजी जीवन में नार्कोलेप्सी व्यक्तिगत रूप से आपके लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। चलिये जानें कि इस रोग के कारण किस तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं -

नींद के ये अटैक नार्कोलेप्सी से पीड़ति व्यक्ति को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यदि ड्राइविंग करते हुए इस तरह का स्लीप अटैक आए तो एक्सीडेंट हो सकता है। वहीं यदि भोजन तैयार करते समय आप सो जाएं तो कट जाने व जल जाने का खतरा अधिक होता है।

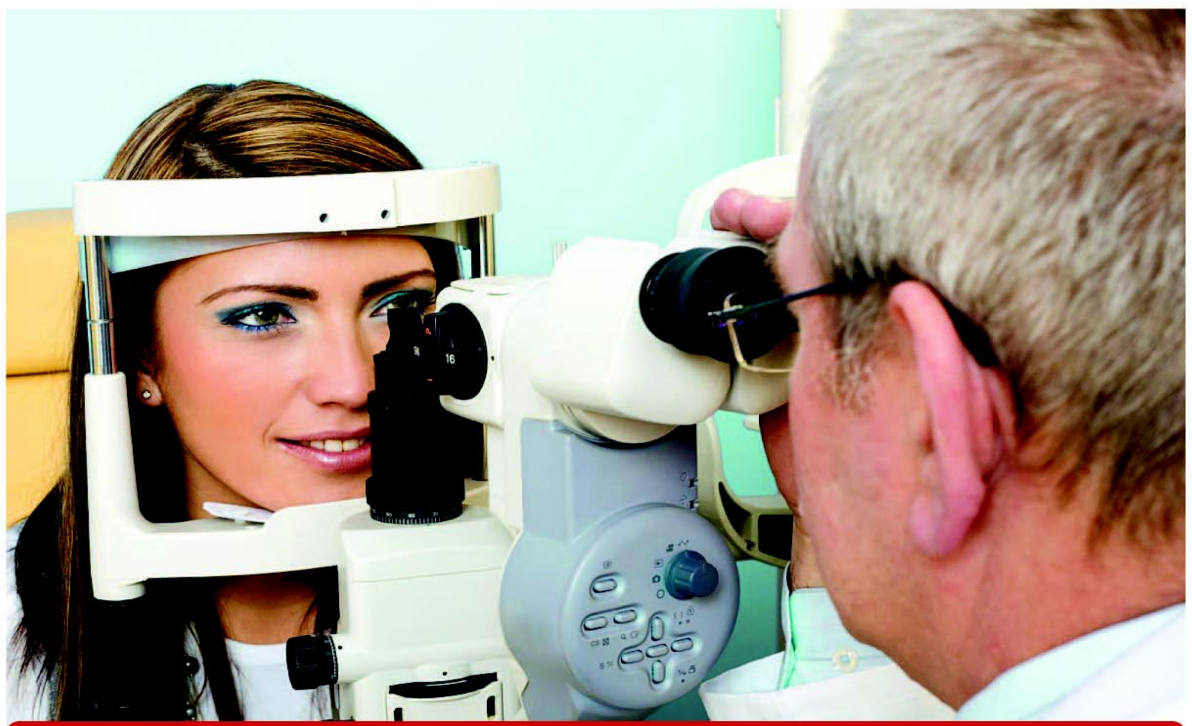

आंखें खोलती हैं सेहत से जुड़े राज

आंखों के रंगों में बदलाव सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि यह खतरनाक हो सकता है, इसे हल्के में न लें और आंखों की जांच कराएं। आंखें कुदरत का सबसे अनमोल तोहफा हैं, न केवल हम इनसे दुनिया को देखते हैं बल्कि आपकी आंखों में ही आपके सेहत का राज छिपा है। आपकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं, अगर आपको कोई बीमारी है तो उसका पता आपकी आंखों से आसानी से चल जाता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदल रहा है तो इसे हल्के में न लें, हो सकता है यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हों।

मानसिक स्वास्थ्य में

कुछ दिमागी बीमारियां हैं जिनके बारे में आंखें बताती हैं। सीजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानासिक बीमारी होने पर आपकी आंखों का रंग अलग होगा। जैसे सीजोफ्रेनिया होने पर व्यक्ति अपनी आंखों को एक ही बिंदु पर स्थिर नहीं रख सकता है। लेकिन हाल में हुए शोध के अनुसार ग्लूकोमा होने पर भी व्यक्ति को ऐसी परेशानी होती है।

ब्रेन ट्यूमर होने पर

दिमाग में ट्यूमर होने पर सिरदर्द, थकान, आलस, जैसी स्थिति इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन ब्रेन ट्यूमर होने पर आंखों का रंग बदलता तो है साथ ही देखने में परेशानी होती है, धुंधला दिखाई देता है।

थायराइड होने पर

थायराइड ग्रंथि का सुचारु रूप से काम करना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। थकान, वजन कम होना या बढ़ना, बार-बार भूख लगना थायराइड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के लक्षण हैं, लेकिन थायराइड ग्रंथि में समस्या होने पर आंखें उभरी हुई दिखती हैं। अगर आपकी आंखों में उभार हो तो यह थायराइड के संकेत हैं।

डायबिटीज की समस्या

मोटापे और अनियमित दिनचर्या के कारण डायबिटीज के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डायबिटीज होने पर आंखों पर भी असर पड़ता है, इसके कारण आंखों की पुतलियों का रंग बदल जाता है और आंखों की रक्त वाहिकायें भी प्रभावित होती हैं, इसके कारण नकसीर भी हो सकता है।

पीलिया होने पर

पीलिया होने पर उसका पता नाखूनों के अलावा आंखों के रंग से भी चल जाता है। पीलिया होने पर आंखों में एक किस्म का पीलापन और भूरापन आ जाता है। हालांकि अधिक मात्रा में वसायुक्त भोजन करने और फलों और हरी सब्जियों का सेवन कम करने के कारण भी आंखों का पीलापन बड़ने लगता हैं। इससे देखने की क्षमता पर असर नहीं पड़ता। परंतु यदि आंखों का पीलापन लगातार बढ़ रहा है तो पीलिया की जांच कराएं।

मोतियाबिंद

मोतियाबिंद आंखों की बीमारी है, इसके कारण आंखों की रोशनी जा सकती है और आदमी अंधा भी हो सकता है। इसकी शुरूआत धुंधला दिखाई देने से होती है। यह बीमारी आंखों के पर्दे पर धुंधला धब्बे बनने के कारण होता है। अगर आंखों पर धुंधले धब्बे दिखे तो यह मोतियाबिंद हो सकता है।

तनाव होने पर

आदमी को यदि तनाव या अवसाद हो तो उसकी आंखें इसके बारे में बता देती हैं। तनाव के कारण अनिद्रा की समस्या होती है ओर इसकी वजह से आपकी आंखों का रंग लाल हो जाता है। हालांकि कभी-कभी यह लक्षण थॉयराइड के कारण भी हो सकते हैं।

पैरालिसिस या लकवा

लकवा जैसे गंभीर स्ट्रोक होने पर पलकें लटकी हुई दिखाई देती हैं, हालांकि यह समस्या बुढ़ापे में होती है। लेकिन कुछ मामलों में लटकी पलकें गंभीर स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। पलकों के लटकने के अलावा आवाज में भी लड़खड़ाहट होने लगती है। इस स्थिति में खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी होने पर

अगर आपकी आंखें लाल हैं और उनमें खुजली हो रही है तो यह एलर्जी के संकेत हो सकते हैं। एलर्जी होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और छींक भी आती है। इस समय नाक बंद हो जाती है और नाक से पानी भी आता है।

उच्च रक्तचाप में

उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर भी आंखों के रंग में बदलाव होता है। हाई ब्लड प्रेशर के दौरान आंखें लाल हो जाती हैं। इसके अलावा रक्त वाहिकाओं यानी ब्लड वेसेल्स के फैलने के कारण आंखों में सूजन भी हो सकती है। उच्च रक्तचाप के कारण होता है।

ह्यूमेनिटीज में भरपूर रोजगार...

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है।

आईआईटी में कोर्स

ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई यानी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

कैसा होगा करियर

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है।

इन क्षेत्रों में हैं मौके

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी

IIT बॉम्बे के स्टूडेंट्स ने बनाई विस्फोटक ढूंढने वाली इलेक्ट्रॉनिक नाक

जिन जगहों पर भीड़ ज्यादा हो, वहां पर विस्फोटकों का पता लगाने के लिए स्निफर डॉग्स को इस्तेमाल करना सुविधाजनक नहीं होता। मगर अब एक आसान तरीका ढूंढा गया है। आईआईटी बॉम्बे ने नैनो टेक्नॉलजी पर आधारित एक पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक नोज (नाक) तैयार किया है, जो भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी विस्फोटकों को सूंघ लेता है। इसका नाम ईनोज (eNose) रखा गया है।

आईआईटी बॉम्बे के 4 विभिन्न विभागों के 15 छात्रों की टीम ने इसे डिवेलप किया है। इसे भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक अडवाइजर के ऑफिस ने फंड किया है। ईनोज को दूर से संचालित करने के लिए मोबाइल फोन के साथ लिंक किया जा सकता है।

टेक्नॉलजी के बारे में बात करते हुए इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर वी. रामगोपाल राव ने बताया, 'ईनोज के सरफेस पर खास कोटिंग लगी हुई है। इंसान के बाल की मोटाई के बराबर संरचनाएं इसमें हैं, जो सेंसर का काम करती हैं। इसपर लगे नैनो पार्टिकल्स पर विस्फोटक सामग्री के वाष्प कण चिपक जाते हैं।' यह RDX और ENT जैसे विस्फोटकों की पहचान कर सकता है। सरफेस पर अलग-अलग तरह की कोटिंग से यह अलग तरह के विस्फोटकों को पहचान सकता है। इसे इस तरीके से तैयार किया गया है कि बिल्कुल इंसान या जानवर की नाक की तरह काम करता है। इसे पंप के साथ फिट किया गया है, जो आसपास की हवा को अंदर लेकर और बाहर छोड़ता रहता है। ईनोज को गतिशील गाड़ी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि इसे वाइब्रेशन से पावर मिलती है। यह सरफेस वाइब्रेशन से चार्ज किया जा सकता है। यह मकैनिकल एनर्जी को इलेक्ट्रिकल एनर्जी में तब्दील कर देता है। इस नाक को तैयार करने में इस्तेमाल हुए हिस्सों पर 5 से 10 हजार रुपये का खर्च आया है।

रेसिपी

चॉकलेट पराठा

सामग्री

1 कप चॉकलेट पेस्ट
3 कप गेहूं का आटा
तेल तलने के लिए
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आटाए नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें। अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें। बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं। अब आटे को सब तरफसे बंद करें और दुबारा बेलें। अब गरम तवे पर तेल लगा कर पराठे सेकें। पराठे को दोंनो ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। आपका पराठा सर्व करने के लिए तैयार है।

होल व्हीट ब्रेड रोल्स

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
1 टी.स्पून सूखा खमीर
1 टी.स्पून शक्कर
1 टेबल.स्पून नरम मक्ख़न
नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटे बाउल मेंए खमीरए शक्कर और 2 टेबल.स्पून गुनगुने पानी को मिला लें और ढक्कन से ढककर 10 मिनट के लिए रख दें। एक गहरे बाउल में गेहूं का आटा मक्ख़न नमक और खमीर.शक्कर के मिश्रण को मिला लें और लगभग 3-4 कप गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को हल्के गीले सुती कपड़े से ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। बेकिंग ट्रे को तेल से चुपड़कर रख दें। आटे को 8 भागो में बांट लें और प्रत्येक भाग के गोले बनाकर चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रख दें। हल्के गीले सूती कपड़े से ढककर 45 मिनट या एनके अच्छी तरह फूल जाने तक 45 मिनट के लिए गरम जगह पर रख दें। पहले से गरम अवन में 200°Ö ;400°çh के तापमान पर 20 मिनट के लिए बेक कर लें। हल्का ठंडा कर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**